प्रसारित - आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद, अलीगढ़, हाथरस, कासगंज, एटा, मैनपुरी, बुलंदशहर, गाजियाबाद, लखनऊ, कानपुर

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

साप्ताहिक

मॉर्निंग सिटी

सच के साथ...

वर्ष - 11, अंक - 35 , 08 नवम्बर से 14 नवम्बर, 2026 | मूल्य- 10 रुपये । पृष्ठ 8 | WWW :morningcity.in

यूपी का सर्वश्रेष्ठ न्यूज प्लेटफॉर्म

मॉर्निंग सिटी



प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति ने देशवासियों को दी दिपावली की शुभकामनाएं

कहा- इस बार भी जवानों के साथ त्योहार मनाऊंगा; पिछले साल INS विक्रांत पर गए थे

एजेंसी। नई दिल्ली

जगमगाहट के त्योहार यानी दीपावली से एक दिन पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को त्योहार की शुभकामनाएं दे दी हैं। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर यह भी बताया है कि इस दिवाली पर उनका क्या करने का प्लान है। वो किस तरह दीपावनी मनाने जा रहे हैं।

सुख-शांति-समृद्धि की कामना: पीएम मोदी ने अपने वीडियो संदेश में कहा कि दीपावली का पावन पर्व पूरा देश रोशनी से जगमगा रहा है। प्रकाश का ये पर्व अंधकार के खिलाफ हमारे संकल्प का परिचय है। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि आप सबको दीपावली की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। आपका ये पर्व, आपका आगे का समय सब -कुछ सुख शांति और समृद्धि से भरा रहे।

दिवाली पर क्या है PM मोदी का प्लान : दीपावली के लिए अपना प्लान सार्वजनिक करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि मैं भी आपकी तरह बड़े उत्साह से दीपावली मनाता हूं। हर साल देश के वीर जवानों के बीच जाना मेरा नित्य क्रम है। इस बार भी जारी रहेगा। आप सबको दीपावली की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएं। यानी पीएम मोदी ने साफ कर दिया है कि इस बार भी वह दीपावली का त्योहार देश के वीर जवानों के साथ मनाने वाले हैं।



प्रधानमंत्री ने उपराष्ट्रपति से मुलाकात कर दी दीपावली की बधाई

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को उपराष्ट्रपति भवन जाकर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की और उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान दोनों नेताओं ने एक-दूसरे को दीपावली की बधाई दी। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, "उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन जी से मुलाकात की और दीपावली की शुभकामनाओं का आदान-प्रदान किया। उपराष्ट्रपति कार्यालय ने भी एक्स पर तस्वीरें साझा करते हुए बताया कि उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने शनिवार को उपराष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर दोनों नेताओं ने दीपावली की शुभकामनाओं का आदान-प्रदान किया।

राष्ट्रपति ने दीपावली की पूर्व संध्या पर देशवासियों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने दीपावली की पूर्व संध्या पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए सभी के अच्छे स्वास्थ्य, सुख और समृद्धि की कामना की है। उन्होंने लोगों से पर्यावरण संरक्षण और आपसी सद्भाव बनाए रखने तथा भारतीय मूल्यों से प्रेरित युवाओं से विकसित भारत के निर्माण में उत्साहपूर्वक योगदान देने का आह्वान किया है। राष्ट्रपति ने अपने संदेश में भारत और विदेशों में रह रहे सभी भारतीयों को दीपावली की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि दीपावली का आनंदमय उत्सव रावण पर विजय के बाद भगवान श्रीराम के अयोध्या लौटने से जुड़ा है। भगवान श्रीराम ने दीपों की सुंदर पंक्तियां देखी थीं। यही दीपावली का सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व है। यह पर्व रामराज्य के शुभारंभ का भी प्रतीक है। मुर्मु ने कहा कि दीपावली का पर्व सद्गुणों की नकारात्मक प्रवृत्तियों पर विजय का प्रतीक है।

राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 151 वर्ष: राष्ट्रपति मुर्मु ने देशवासियों को दी बधाई



नई दिल्ली। राष्ट्रगीत वंदे मातरम ने अपनी रचना के 151 गौरवशाली वर्ष पूरे किए हैं। इस ऐतिहासिक मौके पर, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु सहित देश के कई प्रमुख नेताओं ने समस्त देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। वंदे मातरम भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का एक प्रेरक गीत रहा है, इस गीत ने देशभक्तों के हृदय में साहस और एकता की भावना का संचार किया। आज भी यह गीत हमारी राष्ट्रीय अस्मिता और मातृभूमि के प्रति अटूट समर्पण का प्रतीक बना हुआ है। राष्ट्रपति मुर्मु ने अपने जारी संदेश में कहा कि यह गीत स्वतंत्रता संग्राम के दौरान देशभक्तों के लिए साहस, एकता और संकल्प का उद्घोष था। उन्होंने कामना की कि देशवासी राष्ट्र-प्रथम की भावना को अपनाकर राष्ट्र निर्माण में अपना सक्रिय योगदान दें। राष्ट्रपति मुर्म ने इस अमर गीत को हमारी राष्ट्रीय अस्मिता, स्वाभिमान और मातृभूमि के प्रति समर्पण का चिरस्थायी प्रतीक बताया। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी तथा केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी राष्ट्रगीत की वर्षगांठ पर शुभकामनाएं दीं, इस राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता और मातृभूमि के गौरव का प्रतीक बताया।

दीपावली-छठ पर रेलवे ने चलाईं 18 हजार अतिरिक्त स्पेशल ट्रेनें

एजेंसी। नई दिल्ली

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि दीपावली और छठ सहित त्योहारी सीजन में यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने करीब 18 हजार अतिरिक्त विशेष ट्रेनें चलाई हैं। इसके अलावा देश के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर करीब 700 कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित कैमरे लगाए गए हैं, जिनकी मदद से भीड़ की निगरानी की जा रही है। यात्रियों की सुविधा के लिए करीब 20 प्रमुख स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया भी बनाए गए हैं। वैष्णव ने रेल भवन में रेलवे के वॉर रूम की तैयारियों और परिचालन व्यवस्थाओं का जायजा लेने के बाद पत्रकारों से कहा कि दुर्गा पूजा, दीपावली और छठ के दौरान रेलवे के लिए यातायात का दबाव काफी बढ़ जाता है। इस चुनौती से निपटने के लिए रेलवे ने पिछले छह महीने से तैयारियां शुरू कर दी थीं। पिछले साल त्योहारी सीजन में करीब 12 हजार विशेष ट्रेनें चलाई गई थीं, जबकि इस साल इनकी संख्या बढ़ाकर करीब 18 हजार कर दी गई है। इनमें कई विशेष ट्रेनों को नियमित सेवा में भी परिवर्तित किया गया है। उन्होंने बताया कि पिछले वित्त वर्ष में रेलवे ने करीब 75 हजार विशेष ट्रेनें चलाई थीं, जबकि चालू वित्त वर्ष में इनकी संख्या 80 हजार से अधिक होने जा रही है। रेलवे का प्रयास है कि त्योहारों के दौरान यात्रियों को घर पहुंचने में किसी तरह की परेशानी नहीं हो और भीड़ का व्यवस्थित प्रबंधन किया जा सके। रेल मंत्री ने कहा कि यात्रियों की सुविधा के लिए करीब 20 स्टेशनों पर अलग से होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं, जहां यात्री अपनी ट्रेन के प्रस्थान से पहले आराम से इंतजार कर सकते हैं। इन क्षेत्रों में टिकट काउंटर भी स्थानांतरित किए गए हैं, ताकि यात्रियों को टिकट लेने के लिए स्टेशन परिसर के भीतर जाने की जरूरत न पड़े। सुरक्षा जांच के दौरान लंबी कतारों से बचने के लिए सामान की जांच के वास्ते कई स्कैनिंग काउंटर भी बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि रेलवे का वॉर रूम चौबीसों घंटे काम करता है। यहां रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), परिचालन, मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी तैनात रहते हैं। वॉर रूम में लाइव हीट मैप के माध्यम से विभिन्न स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ की स्थिति पर नजर रखी जाती है। इसमें हरा रंग सामान्य भीड़, पीला रंग बढ़ती भीड़ और लाल रंग अत्यधिक भीड़ का संकेत देता है। रेल मंत्री के अलावा रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी नियमित रूप से यहां से व्यवस्थाओं की निगरानी करते हैं। वैष्णव ने कहा कि धनतेरस के दिन नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ अधिक थी, जबकि छोटी दीपावली पर स्थिति सामान्य रही।

700 एआई कैमरों से हो रही निगरानी: वैष्णव



'सिर्फ परिवार की चिंता कर रहे दोनों युवराज' : भाजपा अध्यक्ष नवीन

नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को कई अहम राजनीतिक मुद्दों पर अपनी बात रखी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कामकाज की तारीफ की। विपक्षी नेताओं राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर निशाना साधा। उन्होंने राहुल गांधी को देश में अराजकता फैलाने का टूलकिट बताया। अखिलेश यादव को माफियाओं का शागिर्द कहा। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले में भाजपा के प्रति लोगों के मन में भरोसा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जिस प्रकार से नेतृत्व मिला है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जिस प्रकार से केंद्र की योजनाओं को लागू को करने के साथ-साथ राज्य में भी कानून-व्यवस्था को एक नए आयाम पर ले गए, उसने जनता को एक भरोसे की सरकार दी है। नवीन ने कहा, मेरा ये मानना है कि वो विश्वास जनता के बीच में दिख रहा है। यही कारण है कि जनता का वो समर्थन हमें सड़कों पर भी दिख रहा है। समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस के बीच गठबंधन की चर्चा को लेकर नवीन ने कहा, पहले भी ये लोग अपनी जुगलबंदी से आए हैं, लेकिन उस जुगलबंदी पर जनता का भरोसा नहीं है। जनता को मालूम है कि ये दो तथाकथित युवराज केवल अपनी चिंता में हैं। अपने परिवार की चिंता में हैं इनको उत्तर प्रदेश की जनता से कोई लेना देना नहीं है। इनके साहेबजादे लोगों को भी मौका मिला तो तब भी इन्होंने केवल अपनी चिंता की। उत्तर प्रदेश के युवा, किसान, महिलाएं और मजदूर वर्ग को मालूम है कि ये जनता के लिए नहीं, बल्कि खुद के परिवार के लिए बने हुए लोग हैं। जेल में बंद समाजवादी पार्टी के नेता आजम खां से हाल ही में पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की मुलाकात पर नितिन नवीन ने कहा, ये वही लोग हैं, जिन्होंने उत्तर प्रदेश की पहचान बनाई थी- 'वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया'। हर जिले का एक छत्रप होता था। जिस छत्रप के माध्यम से सरकार में पहुंचते थे। बाद में जब भाजपा की सरकार बनी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कानून-व्यवस्था को कड़ाई के साथ लागू किया और इन माफियाओं को जेल के रास्ते दिखाए। इन 'माफियाओं के शागिर्द' अखिलेश यादव हैं। उनको सुरक्षा देने के लिए वोट बैंक की राजनीति का सहारा ले रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, 'लेकिन अब वो उत्तर प्रदेश नहीं है। ये उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य नहीं है। ये उत्तर प्रदेश, उत्तम प्रदेश की दिशा में आगे बढ़ रहा है। अब यहां 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' की बात होती है। 'वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया' पुरानी बात हो गई'। उन्होंने अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा, कल तक ये लोग टोपी पहनकर राजनीति करते थे। पिछले लंबे समय से टोपी से परहेज कर रहे हैं। यूपी की जनता भूली नहीं है कि प्रभु श्रीराम के मंदिर के निर्माण में इन्होंने कितने कितने कारनामे किए हैं।

IAF ने रचा इतिहास, 13,629 फीट ऊंचे न्योमा एयरबेस पर पहली बार उतरा 'गजराज', दुनिया में सबसे ऊंची लैंडिंग का बना रिकॉर्ड

एजेंसी। लेह

भारतीय वायुसेना ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) के नजदीक पूर्वी लद्दाख के दुर्गम और अत्यधिक ऊंचाई वाले क्षेत्र में अपनी सामरिक शक्ति का लोहा मनवाते हुए नया इतिहास रच दिया है। वायुसेना के चार इंजनों वाले भारी रणनीतिक परिवहन विमान आईएल-76एमडी (IL-76MD), जिसे भारतीय सेना में 'गजराज' के नाम से जाना जाता है, ने समुद्र तल से 13,629 फीट की ऊंचाई पर स्थित न्योमा एयरबेस पर सफलतापूर्वक सुरक्षित लैंडिंग की। भारतीय वायुसेना के अनुसार, यह पूरे विश्व में आईएल-76 श्रेणी के भारी विमान द्वारा अब तक की सबसे अधिक ऊंचाई पर की गई लैंडिंग का एक अभूतपूर्व रिकॉर्ड है। वास्तविक नियंत्रण रेखा से महज 25 किलोमीटर की दूरी पर स्थित इस अग्रिम एयरफील्ड पर भारी सैन्य विमान उतारकर भारत ने सीमांत क्षेत्रों में अपनी त्वरित सैन्य तैनाती की क्षमता का मजबूत संदेश दिया है।



पतली हवा और बेहद कम ऑक्सीजन के बीच पायलटों का अदम्य कौशल : अत्यधिक ऊंचाई वाले बर्फीले इलाकों में भारी सैन्य परिवहन विमानों को उतारना तकनीकी और रणनीतिक दृष्टिकोण से अत्यंत जोखिम भरा माना जाता है। 13 हजार फीट से अधिक की ऊंचाई पर वायुमंडलीय दबाव कम होने और हवा बेहद पतली होने के कारण विमान के इंजनों का थ्रस्ट (शक्ति) और विंग्स की लिफ्ट क्षमता काफी घट जाती है, जिससे विमान को संतुलित रखने के लिए लंबी रनवे और अत्यधिक गति नियंत्रण की आवश्यकता होती है। इसके अलावा शून्य से नीचे गिरते तापमान और तेज हवाओं के बीच वायुसेना के जांबाज पायलटों ने अद्वितीय तकनीकी दक्षता, सूझबूझ और पेशेवर महारत का परिचय देते हुए इस 40 टन वजन ले जाने में सक्षम विशालकाय विमान को सुरक्षित जमीन पर उतारा।

1962 के बाद अब फाइटर-कैपेबल बेस बना न्योमा, चीन सीमा पर बदली रणनीतिक तस्वीर : न्योमा एयरबेस का इतिहास बेहद रणनीतिक रहा है। वर्ष 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान इसे एक एडवांस्ड लैंडिंग ग्राउंड (ALG) के रूप में तैयार किया गया था, लेकिन युद्ध के बाद यह कई दशकों तक वीरान पड़ा रहा। वर्ष 2009 में वायुसेना ने एएन-32 विमान उतारकर इसे पुनर्जीवित किया था। गलवान घाटी की तनातनी के बाद सीमा सड़क संगठन (BRO) ने त्वरित गति से काम करते हुए यहां करीब 3 किलोमीटर लंबी आधुनिक पक्की रनवे और सैन्य बुनियादी ढांचा तैयार किया।

सीएम शुभेंदु ने की एबीवीपी की तारीफ: कहा- ब्लीचिंग पाउडर-फिनाइल, जिसकी जरूरत होगी मैं ढूंगा

कोलकाता, पश्चिम बंगाल

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार को प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय और जादवपुर विश्वविद्यालय में कथित राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के खिलाफ अभियान चलाने के लिए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ताओं की सराहना की। उन्होंने संगठन से अपने प्रयास जारी रखने की अपील भी की। मानिकतला में काली पूजा के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालयों में कुछ समूह 'कश्मीर मांगे आजादी' जैसे नारे लगाते हैं। उन्होंने एबीवीपी कार्यकर्ताओं से अपना अभियान जारी रखने का आग्रह करते हुए कहा कि इस 'सफाई अभियान' के लिए जहां भी जरूरत होगी, वह ब्लीचिंग पाउडर और फिनाइल उपलब्ध कराएंगे। इस दौरान उन्होंने ऐसी गतिविधियों में शामिल लोगों के लिए आपत्तिजनक शब्दों का भी इस्तेमाल भी किया। उन्होंने 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' और 'कश्मीर मांगे आजादी' जैसे नारे लगाने वाले समूहों का जिक्र करते हुए उन्हें 'कॉकरोच', 'खटमल' और 'दिमागी नक्सली' बताया। अधिकारी ने कहा, 'मैं एबीवीपी के अपने राष्ट्रवादी भाई-बहनों को बधाई देता हूं। यह दुनिया का सबसे बड़ा छात्र संगठन है। उन्होंने प्रेसीडेंसी और जादवपुर विश्वविद्यालयों को ऐसे लोगों से साफ करने का जिम्मा उठाया है, जो इस तरह के नारे लगाते हैं और राष्ट्रविरोधी भावनाओं को बढ़ावा देते हैं।' उन्होंने कहा, 'जो भी जरूरी होगा, चाहे ब्लीचिंग पाउडर हो या फिनाइल, मैं उपलब्ध कराऊंगा। सफाई जारी रहनी चाहिए।' अधिकारी ने आगे कहा, 'यह श्यामा प्रसाद मुखर्जी की धरती है। स्वामी विवेकानंद का जन्म भी इसी मिट्टी पर हुआ था।' सीएम शुभेंदु ने पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर भी निशाना साधा। उन्होंने 2025 में उनके कार्यकाल के दौरान पुलिस की गाड़ी में काली की मूर्ति ले जाए जाने की घटना का जिक्र किया और आरोप लगाया कि यह काम बनर्जी के निर्देश पर किया गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस साल महालया के दौरान दिल्ली में खुद बनर्जी को पुलिस की गाड़ी में बैठना पड़ा। उन्होंने इसे 'सनातनियों की शक्ति' बताया।



रूस-अमेरिका-यूक्रेन के बीच 10-11 नवंबर को अबू धाबी में होगी त्रिपक्षीय वार्ता : पुतिन

मॉस्को। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को खत्म करने की दिशा में एक बार फिर कूटनीतिक प्रयास तेज हो गए हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पुष्टि की है कि रूस, अमेरिका और यूक्रेन के प्रतिनिधिमंडलों के बीच बातचीत का अगला दौर 10 और 11 नवंबर को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की राजधानी अबू धाबी में होगा। इस वार्ता का मुख्य उद्देश्य युद्ध को समाप्त करने, तनाव कम करने और शांति का रास्ता तलाशने पर चर्चा करना है। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास के हवाले से रूस की अंतरराष्ट्रीय समाचार टेलीविजन नेटवर्क रशिया टुडे (आरटी) तथा तुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलू ने बताया कि, पुतिन ने शुक्रवार को रूस की सुरक्षा परिषद के सदस्यों के साथ बैठक के दौरान इस बातचीत की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मंगलवार को वार्ता शुरू होने की उम्मीद है और इसके लिए उन्होंने रूसी प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने वाले अधिकारियों को भी बैठक में बुलाया है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव के अनुसार, अबू धाबी में होने वाली बातचीत में रूसी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व राष्ट्रपति के सहयोगी व्लादिमीर मेडिंस्की करेंगे। इससे पहले भी मेडिंस्की यूक्रेन के साथ कई दौर की शांति वार्ताओं में रूस का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

वेव्स बाजार के स्टार्टअप पवेलियन में भागीदारी के लिए वेवेक्स मांगे आवेदन

नई दिल्ली। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने गोवा में आयोजित होने वाले भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (इफ्फी) 2026 के दौरान वेव्स बाजार में वेवेक्स स्टार्टअप पवेलियन में भागीदारी के लिए फिल्म और संबंधित तकनीक के क्षेत्र में कार्यरत स्टार्टअप से आवेदन आमंत्रित किए हैं। इसके तहत स्टार्टअप अपने उत्पादों, तकनीकों और नवाचारों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय फिल्म और मीडिया उद्योग के सामने प्रदर्शित कर सकेंगे। इस पहल का उद्देश्य नवाचार आधारित स्टार्टअप को एक विशेष मंच उपलब्ध कराना है, जहां उन्हें फिल्म निर्माताओं, प्रोडक्शन हाउस, निवेशकों और वैश्विक रचनात्मक



उद्योग से जुड़े अन्य हितधारकों के साथ नेटवर्किंग, सहयोग और उद्योग सहभागिता के अवसर मिल सकें। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा जारी जानकारी के अनुसार वेवेक्स के स्टार्टअप बूथ उभरती फिल्म एवं संबंधित प्रौद्योगिकी कंपनियों को वैश्विक पहचान दिलाने में मदद करेंगे। इसमें भागीदारी के लिए उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग से पंजीकृत फिल्म और संबंधित तकनीकी क्षेत्रों में कार्यरत स्टार्टअप पात्र होंगे।

दीपोत्सव का गौरवशाली दशक अयोध्या की सांस्कृतिक पहचान की पुनर्स्थापना का साक्षी : मुख्यमंत्री योगी

एजेंसी। लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में दीपोत्सव को लेकर कहा कि यह गौरवशाली दशक उस ऐतिहासिक संकल्प की सिद्धि का साक्षी है, जिसने सदियों की प्रतीक्षा को भव्य यथार्थ में बदलते हुए अयोध्या को उसकी सांस्कृतिक पहचान और गौरव के साथ पुनः प्रतिष्ठित किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, वर्ष 2017 में पुण्यसलिला सरयू के तट पर प्रज्वलित संकल्प की एक लौ ने आज भारत के सांस्कृतिक गौरव को वैश्विक पटल पर नई पहचान और प्रतिष्ठा प्रदान की है। उन्होंने लिखा, श्री अयोध्या धाम में दीपोत्सव का यह ऐतिहासिक दशक केवल दीपों की जगमगाहट और विश्व कीर्तिमानों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि प्रभु श्री राम की नगरी के त्रेतायुगीन वैभव, सनातन संस्कृति के पुनर्जागरण और राष्ट्र के आत्मगौरव की पुनर्स्थापना का स्वर्णिम अध्याय बना है। राम की पैड़ी पर प्रज्वलित लाखों दीपों ने अंधकार को दूर करने के साथ आस्था, अंत्योदय और स्थानीय स्वावलंबन की नई ज्योति भी प्रज्वलित की है। मुख्यमंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा, यह गौरवशाली दशक उस ऐतिहासिक संकल्प की सिद्धि का साक्षी है, जिसने सदियों की प्रतीक्षा को भव्य यथार्थ में बदलते हुए अयोध्या को उसकी सांस्कृतिक पहचान और गौरव के साथ पुनः प्रतिष्ठित किया। उन्होंने आगे लिखा, दीपोत्सव के इस गौरवशाली 10वें संस्करण पर आइए, हम सब प्रभु श्री राम के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें। ऐसा रामराज्य, जहां विकास का प्रकाश समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के जीवन तक पहुंचे और आस्था, समरसता और सेवा की यह सनातन ज्योति युगों-युगों तक आलोकित होती रहे। बता दें कि 10वें दीपोत्सव के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दो दिन (शनिवार-रविवार) को अयोध्या में रहेंगे।



देश भर में बदलेगा मौसम का मिजाज, दक्षिण और पूर्वोत्तर राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट; दिल्ली-NCR में सुबह कोहरे की दस्तक

एजेंसी। नई दिल्ली

देश के विभिन्न हिस्सों में मौसमी गतिविधियों में तेजी से बदलाव देखा जा रहा है। जहां एक ओर उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में सुबह के समय हल्की धुंध और कोहरा दस्तक देने लगा है, वहीं दक्षिण भारत, तटीय क्षेत्रों और पूर्वोत्तर राज्यों में बादलों के डेरे के साथ मूसलाधार बारिश और तेज हवाओं की चेतावनी जारी की गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने दक्षिण भारत के कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इसके विपरीत, उत्तर प्रदेश और बिहार के लोगों के लिए त्योहारी सीजन के दौरान राहत की खबर है, जहां मौसम पूरी तरह शुष्क बना रहेगा और बारिश से त्योहार का रंग फीका पड़ने की कोई आशंका नहीं है।

दिल्ली-एनसीआर में आज साफ रहेगा आसमान, सुबह धुंध और कोहरे का असर : राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और एनसीआर में शनिवार को दिनभर मौसम मुख्य रूप से साफ रहने का पूर्वानुमान है, हालांकि सुबह के शुरुआती घंटों में कई इलाकों में हल्का कोहरा और धुंध छाई रह सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य से करीब 1.6 से 3 डिग्री कम रहकर 27 से 29 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया जा सकता है, जबकि न्यूनतम तापमान 15 से 17 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। सुबह के समय उत्तर-पश्चिमी दिशा से करीब 12 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी, जिनकी गति दोपहर में 15 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। दिल्ली में फिलहाल बारिश की कोई संभावना नहीं है, लेकिन 8 और 9 नवंबर को सुबह के समय मध्यम कोहरा छाने से दृश्यता प्रभावित हो सकती है।



तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में भारी बारिश की चेतावनी, 50 किमी की रफ्तार से चलेंगी हवाएं : उत्तर भारत में मौसम के शुष्क बने रहने के उलट दक्षिण भारत में मानसूनी और मौसमी हलचल काफी तेज है। मौसम विभाग ने तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 7 से 10 नवंबर तक गरज-चमक के साथ मूसलाधार बारिश का अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा केरल और माहे में भी 8 नवंबर तक भारी बारिश की संभावना जताई गई है। इन इलाकों में बिजली गिरने और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान है, जिसके झोंके बीच-बीच में 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकते हैं।



सम्पादकीय

त्योहारों पर घर जाना भी हुआ महंगा, बसों से हवाई सफर तक किराये की मनमानी



दिवाली और छठ के मौके पर दिल्ली-एनसीआर से बिहार या उत्तर प्रदेश जाने वाले लोगों के सामने निजी बसों में पांच से छह गुना ज्यादा किराया चुकाने की नौबत आई और इस मनमानी को रोकने वाला कोई नहीं था।

दिवाली और छठ पूजा के लिए नोएडा और गाजियाबाद बस अड्डों से चलने वाली यूपी रोडवेज की विशेष बसें। दिवाली और छठ पर यात्रियों की भीड़ को देखते हुए नोएडा और गाजियाबाद से अतिरिक्त बसें चलाने की तैयारी। दीपावली और छठ जैसे पर्व केवल उत्सव नहीं, बल्कि हजारों लोगों के अपने घर लौटने की सांस्कृतिक और भावनात्मक यात्रा भी हैं। मगर इस बार भी त्योहारी मौसम ने एक असहज सच्चाई उजागर की है। मांग बढ़ते ही परिवहन सेवाओं में किराया ऐसा उछलता है कि आम यात्रियों के सामने विकल्प खत्म हो जाते हैं। नतीजतन, लोग भीड़ वाली ट्रेनों में ठुंसकर यात्रा करने या बसों की छतों पर बैठने को मजबूर हो जाते हैं। वहीं ट्रेन में जगह न मिलने की स्थिति में जब लोग बस का सहारा लेने की कोशिश करते हैं, तो वहां भी उनकी मजबूरी का फायदा उठाने की कोशिश की जाती है। खबरों के मुताबिक, दिवाली और छठ के मौके पर दिल्ली-एनसीआर से बिहार या उत्तर प्रदेश जाने वाले लोगों के सामने निजी बसों में पांच से छह गुना ज्यादा किराया चुकाने की नौबत आई और इस मनमानी को रोकने वाला कोई नहीं था। दूसरी ओर, हाल ही में हवाई किराए में सात सौ गुना वृद्धि से उपजी परेशानी भी सुर्खियों में रही। सवाल समूची व्यवस्था का है, जिसमें मांग बढ़ते ही साधन नागरिक की पहुंच से दूर होने लगते हैं। स्थिति केवल बसों या विमानन क्षेत्र तक सीमित नहीं है। दिल्ली सहित अनेक शहरों में कैब सेवाओं के किराए भी त्योहारी दिनों में कई गुना बढ़ जाते हैं। इस स्थिति को भले ही नियमों के ढांचे के तहत बताया जाए, लेकिन जब लोगों के पास कोई दूसरा विकल्प न हो तो यह व्यवस्था आर्थिक बोझ बन जाती है। अस्पताल पहुंचने, ड्यूटी पर समय से जाने या किसी आपात स्थिति में यात्रा करने वाले के सामने अतिरिक्त भुगतान के अलावा कोई रास्ता नहीं बचता। बाजार की स्वतंत्रता और मांग-आपूर्ति का सिद्धांत अपनी जगह है, लेकिन सार्वजनिक परिवहन जैसी सेवाओं को केवल लाभ कमाने के नजरिए से नहीं देखा जा सकता। सरकारों और नियामक संस्थाओं की जिम्मेदारी यह सुनिश्चित करने की भी है कि विशेष परिस्थितियों में किराया वृद्धि की तार्किक और पारदर्शी सीमा रहे। लाखों लोग यात्रा के अधिकार और सामर्थ्य के बीच फंसते रहेंगे, तो यह केवल परिवहन व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि नीति-निर्माण की कमी भी मानी जाएगी। त्योहारी मौसम में नागरिकों को सुरक्षित, सुलभ और सम्मानजनक यात्रा उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए।



सुशील कुमार सिंह प्रधान संपादक

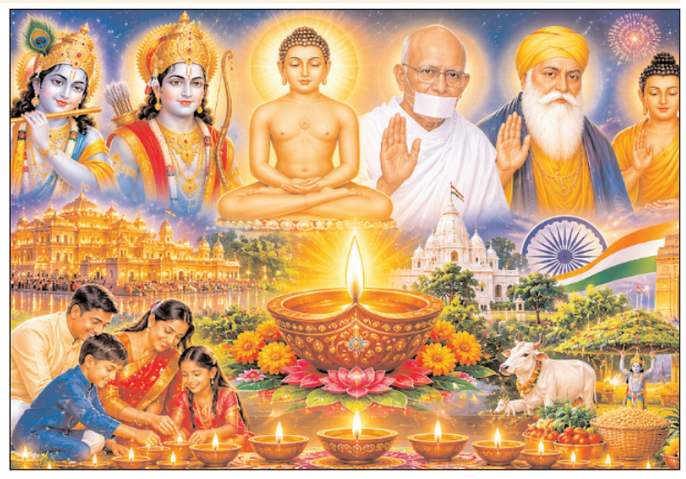
दीपावली बने विकसित एवं समृद्ध भारत की नई ज्योति

दीपावली केवल अंधकार पर प्रकाश की विजय का पर्व नहीं है, यह मनुष्य के भीतर सोई हुई चेतना को जगाने, जीवन की दिशाहीनता को दिशा देने और सभ्यता के वर्तमान पड़ाव पर अपने मूल्यों का पुनर्मूल्यांकन करने का अवसर है। आज भारत विकसित भारत, समृद्ध भारत, समर्थ भारत और आत्मनिर्भर भारत की संकल्पयात्रा पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। दुनिया भारत की आर्थिक शक्ति, तकनीकी सामर्थ्य, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक दृष्टि को नए विश्वास के साथ देख रही है। ऐसे समय में दीपावली का दीपक केवल घर की चौखट पर नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना के आकाश में भी जलना चाहिए। हमारे सामने एक बड़ा प्रश्न है-जब दीपों की संख्या बढ़ रही है, तब मनुष्य के भीतर का प्रकाश क्यों मंद पड़ रहा है? घर जगमगा रहे हैं, बाजार रोशन हैं, महानगरों की इमारतें विद्युत-दीपों से नहा रही हैं, तकनीक जीवन को सुविधाओं से भर रही है, फिर भी मनुष्य के भीतर तनाव, असुरक्षा, हिंसा, स्वार्थ, असहिष्णुता और मोह का अंधकार क्यों गहराता जा रहा है? कहीं ऐसा तो नहीं कि हमने दीपक तो बहुत जला लिए, लेकिन अपने भीतर बाती लगाना भूल गए?



ललित गर्ग





आतंकवाद, हिंसा, युद्ध, घृणा और वैमनस्य की जड़ें किसी मशीन या हथियार में नहीं, मनुष्य की विकृत चेतना में होती हैं। इसलिए आतंकवाद की समस्या का स्थायी समाधान केवल सुरक्षा-व्यवस्था से नहीं होगा। मनुष्य को अनावश्यक हिंसा छोड़ने का संकल्प करना होगा। जब तक मनुष्य के भीतर प्रतिशोध की आग जलती रहेगी, तब तक संसार में शांति का दीपक पूरी तरह प्रज्वलित नहीं हो सकता। अहिंसा केवल जैन दर्शन का सिद्धांत नहीं, बल्कि भविष्य की मानव सभ्यता की आवश्यकता है। एक सुंदर आध्यात्मिक दृष्टांत है। अंधकार ने ब्रह्मा से शिकायत की कि सूर्य उसका पीछा करता है और उसे मिटा देना चाहता है। सूर्य ने कहा-मैं तो अंधकार को जानता तक नहीं, मिटाने की बात तो दूर है, पहले उसे मेरे सामने उपस्थित करो। जब अंधकार को सूर्य के सामने आने के लिए कहा गया तो उसने उत्तर दिया-मैं उसके पास कैसे आऊं? उसके सामने आते ही मेरा अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। यही सत्य धर्म और अज्ञान के संबंध का है। जहां ज्ञान का सूर्य उदित हो जाता है, वहां अज्ञान का अंधकार टिक नहीं सकता। जहां करुणा का दीप जलता है, वहां हिंसा की कालिमा ठहर नहीं सकती। जहां आत्मसंयम की ज्योति प्रज्वलित होती है, वहां मोह और मूर्च्छा का साम्राज्य धीरे-धीरे ढहने लगता है। इसीलिए दीपावली की वास्तविक सार्थकता केवल घर की सफाई में नहीं, अंतःकरण की सफाई में है। हम महीनों से घर के कोने-कोने की धूल हटाते हैं, पुराने सामान को व्यवस्थित करते हैं, दीवारों को सजाते हैं और घर को नया रूप देते हैं। लेकिन क्या कभी हमने अपने मन के कोनों में जमी ईर्ष्या की धूल झाड़ी? क्या क्रोध की कालिख साफ की? क्या अहंकार के जाले हटाए? क्या लोभ और मोह के पुराने सामान को बाहर निकाला? यदि इस दीपावली हम अपने भीतर की ऐसी सफाई कर पाए, तो यही पर्व हमारे जीवन का सबसे बड़ा उत्सव बन जाएगा।

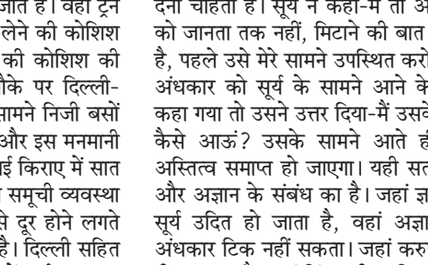
महान दार्शनिक संत आचार्य श्री महाप्रज्ञ ने अंतर्दर्शन को आत्मप्रकाश का मार्ग बताया। उनका संकेत स्पष्ट था कि बाहर की दुनिया को देखने की हमारी आदत बहुत गहरी है, जबकि भीतर झांकने की साधना बहुत कमजोर। आज मनुष्य के पास दुनिया देखने के लिए असंख्य माध्यम हैं, लेकिन स्वयं को देखने का समय नहीं। मोबाइल की स्क्रीन चमक रही है, लेकिन मन की स्क्रीन धुंधली होती जा रही है। सूचना का भंडार बढ़ रहा है, पर आत्मबोध का दीप क्षीण हो रहा है। यही आज की सबसे बड़ी विडंबना है-हम चाँद पर पहुँचने की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन अपने भीतर के अंधेरे कोनों तक पहुँचने में संकोच कर रहे हैं। नया भारत केवल ऊँची इमारतों, तेज गति की अर्थव्यवस्था, अत्याधुनिक तकनीक और विश्वस्तरीय बुनियादी ढाँचे से नहीं बनेगा। विकसित भारत की असली पहचान उसके नागरिकों की विकसित चेतना से होगी। समृद्धि तभी सार्थक है जब संवेदना जीवित रहे, शक्ति तभी मंगलकारी है जब उसमें संयम हो, विज्ञान तभी कल्याणकारी है जब उसके साथ विवेक हो और विकास तभी पूर्ण है जब उसके केंद्र में मनुष्य तथा प्रकृति दोनों के प्रति करुणा हो। भारत की सनातन संस्कृति ने सदियों पहले जीवन का यही सूत्र दिया था-तमसो मा ज्योतिर्गमय। अंधकार से प्रकाश की ओर, अज्ञान से ज्ञान की ओर, असंयम से संयम की ओर और स्वार्थ से परमार्थ की ओर बढ़ना ही भारतीय संस्कृति की जीवनधारा है। आज जब भारत विश्वगुरु बनने की दिशा में अग्रसर है, तब उसकी सबसे बड़ी पूँजी केवल अर्थव्यवस्था या तकनीकी शक्ति नहीं, बल्कि उसकी सनातन जीवनदृष्टि है। दीपावली इस सनातन संस्कृति को नया आकाश देने का पर्व बन सकती है। हमें दुनिया को केवल यह नहीं बताना कि भारत आर्थिक रूप से आगे बढ़ रहा है, हमें यह भी दिखाना है कि भारत मानवीय मूल्यों के साथ विकास करना जानता है। ऐसा विकास, जिसमें प्रकृति के लिए स्थान हो, वंचित के लिए संवेदना हो, वृद्ध के लिए सम्मान हो, युवा के लिए अवसर हो, नारी के लिए गरिमा हो और प्रत्येक मनुष्य के लिए सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण जीवन हो। आज आवश्यकता है कि दीपावली के दीपक को राष्ट्रीय संकल्प का प्रतीक बनाया जाए। एक दीप आत्मसंयम का, एक अहिंसा का, एक पर्यावरण-संरक्षण का, एक सामाजिक समरसता का, एक नारी-सम्मान का, एक ईमानदारी का और एक राष्ट्रनिष्ठा का। जब करोड़ों घरों के करोड़ों दीप इन मूल्यों के साथ जलेंगे, तब भारत की रोशनी केवल घरों और बाजारों तक सीमित नहीं रहेगी, वह विश्वमानवता का पथ आलोकित करेगी।

दीपक की एक विशेषता है-वह स्वयं जलता है और दूसरों को प्रकाश देता है। यही भारत की संस्कृति का मूल चरित्र है। वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना लेकर चलने वाला भारत अपने उत्थान को विश्वकल्याण से अलग नहीं देख सकता। भारत यदि विश्वगुरु बनना चाहता है तो उसे दुनिया को केवल ज्ञान नहीं, जीवन का संतुलन भी देना होगा, केवल समृद्धि का मॉडल नहीं, शांति का मार्ग भी दिखाना होगा। इस दीपावली एक प्रश्न अपने आप से जरूर पूछें-मेरे भीतर कौन-सा अंधकार अभी बाकी है? क्रोध, लोभ, अहंकार, ईर्ष्या, भय, असंवेदनशीलता या निष्क्रियता? क्योंकि अंधकार को कोसने से प्रकाश नहीं आता। एक छोटा-सा दीप जलाना पड़ता है। दीपक हमें यह भी सिखाता है कि जीवन से पलायन नहीं, परिवर्तन चाहिए। परिस्थितियां चाहे कितनी ही प्रतिकूल क्यों न हों, मनुष्य को अपने भीतर की लौ को बुझने नहीं देना चाहिए। इस दीपावली घरों के साथ हृदयों को भी सजाएं, चौखट के साथ चेतना को भी संवारें और आकाश में उड़ती रोशनी के साथ अपने भीतर आत्मज्योति को भी प्रज्वलित करें। क्योंकि विकसित भारत की सबसे बड़ी पहचान चमकती सड़कों से नहीं, जाग्रत नागरिकों से होगी।

आज भारत नई करवट ले रहा है। उसकी अर्थव्यवस्था नई ऊँचाइयां छू रही है, विज्ञान नई सीमाएं लांघ रहा है, युवा नई संभावनाओं के द्वार खोल रहे हैं और भारत विश्वमंच पर अपनी भूमिका को नए आत्मविश्वास के साथ स्थापित कर रहा है। इस परिवर्तन की यात्रा में दीपावली का संदेश भी नया होना चाहिए-बाहर का भारत रोशन हो और भीतर का भारत जागृत हो। तभी दीपावली केवल एक पर्व नहीं रहेगी, वह नवभारत की नवज्योति, सनातन संस्कृति की नई आभा और विश्वमानवता के लिए भारत के प्रकाश-पथ का उद्घोष बनेगी। आइए इस दीपावली एक दीप अपने घर में जलाएं और एक दीप अपने भीतर। एक दीप समृद्ध भारत के लिए और एक दीप संवेदनशील भारत के लिए। एक दीप विकास के लिए और एक दीप विवेक के लिए। क्योंकि जब भीतर का दीप जलता है, तभी बाहर की रोशनी सार्थक होती है। और जिस दिन भारत के करोड़ों अंतःकरणों में यह ज्योति प्रज्वलित हो जाएगी, उस दिन भारत केवल विकसित नहीं होगा-वह विश्व को विकास के साथ विवेक, शक्ति के साथ शांति और समृद्धि के साथ संवेदना का मार्ग दिखाने वाला विश्वगुरु बनेगा।

दीपावली और सनातन स्वाभिमानः तुष्टीकरण की सियासत पर चोट

अशोक भाटिया



दीपावली प्रकाश का पर्व है, और यह प्रकाश तब तक अधूरा है जब तक देश का बहुसंख्यक समाज आत्मगौरव और स्वतंत्रता के साथ अपनी परंपराओं का निर्वाह न कर सके। छद्म-धर्मनिरपेक्षता के पैरोकारों को यह समझना होगा कि भारत में यदि लोकतंत्र और विविधता सुरक्षित है, तो उसका सबसे बड़ा कारण सनातन संस्कृति की सहिष्णुता ही है। भारत केवल एक भू-भाग नहीं, बल्कि एक जीवंत सनातन सांस्कृतिक चेतना है। इस चेतना की अभिव्यक्ति हमारे पर्वों, उत्सवों और त्योहारों में होती है। दीपावली, जो अंधकार पर प्रकाश और अधर्म पर धर्म की विजय का शाश्वत संदेश देती है, वह महज एक कैलेंडर की तारीख नहीं बल्कि करोड़ों भारतीयों की सामूहिक आस्था का प्रतीक है। लेकिन हाल के वर्षों में, विशेषकर समकालीन राजनीतिक परिदृश्य में, देश के इन पावन त्योहारों को लेकर एक नई और चिंताजनक स्क्रिप्ट लिखी जा रही है। इस स्क्रिप्ट के केंद्र में है–बहुसंख्यक समाज की आस्था को कठघरे में खड़ा करना, सनातन परंपराओं पर चयनात्मक प्रतिबंध थोपना और धर्मनिरपेक्षता के नाम पर सांस्कृतिक प्रतीकों का राजनीतिकरण करना। इस चौतरफा वैचारिक हमले के बीच, भारतीय जनता पार्टी और हिंदुत्व की विचारधारा आज केवल एक राजनीतिक दल या विमर्श की आवाज नहीं, बल्कि सदियों से दबाई गई बहुसंख्यक समाज की सांस्कृतिक अस्मिता और आत्मगौरव की ढाल बनकर उभरी है।

स्वतंत्रता के बाद के दशकों में भारत की राजनीति पर एक खास किस्म की 'छद्म-धर्मनिरपेक्षता' हावी रही। इस व्यवस्था के तहत बहुसंख्यक हिंदू समाज को अपनी ही सांस्कृतिक जड़ों पर गर्व करने से रोका गया। तुष्टीकरण की राजनीति इस हद तक बढ़ गई कि अल्पसंख्यकों के त्योहारों पर तो सरकारी सुविधाएं और शुभकामनाएं बढ़-चढ़कर दी जाती थीं, लेकिन जब हिंदुओं के त्योहारों की बात आती थी, तो अचानक पर्यावरण चेतना, पशु क्रूरता और सामाजिक कुरीतियों के उपदेश शुरू हो जाते थे।

इसे भी पढ़ें: दिल्ली-ठउफमें ऋ्रभढ कक्रक की पाबंदियां लागू, वायु प्रदूषण का स्तर 'गंभीर' श्रेणी के करीब पहुंचा

दीपावली के आते ही पटाखों से होने वाले प्रदूषण पर हाहाकार मचना, होली पर पानी की बबार्दी का रोना, और जन्माष्टमी या दही-हांडी पर सुरक्षा के नाम पर बंदिशें लगाना–यह एक तय ढर्रा बन चुका था। विडंबना यह थी कि यह ज्ञान केवल हिंदू त्योहारों तक ही सीमित रहता था। नए साल के जश्न, शादियों या अन्य धर्मों के त्योहारों पर होने वाले प्रदूषण या आतिशबाजी पर यही बुद्धिजीवी वर्ग और राजनीतिक दल चुप्पी साध लेते थे। इस चयनात्मक दृष्टिकोण ने बहुसंख्यक समाज के भीतर एक गहरी असुरक्षा और आक्रोश को जन्म दिया, जिसे भाजपा और हिंदुत्व के विचार ने एक सकारात्मक राजनीतिक दिशा दी। साल 2014 के बाद देश के राजनीतिक और सांस्कृतिक परिदृश्य में एक युगांतरकारी परिवर्तन आया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने 'विकास भी, विरासत भी' का जो मंत्र दिया, उसने देश के बहुसंख्यक समाज को अपनी सांस्कृतिक पहचान पर गर्व करना सिखाया। अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ धाम का कायाकल्प, उज्जैन के महाकाल लोक का पुनरुद्धार और केदारनाथ-बद्रीनाथ का जीर्णोद्धार–यह केवल बुनियादी ढांचे का विकास नहीं है, बल्कि यह भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का शंखनाद है।इस पुनर्जागरण का सीधा असर त्योहारों को मनाने के तौर-तरीकों और उनके राजनीतिक विमर्श पर पड़ा है। आज जब अयोध्या में सरयू के तट पर लाखों दीये जलते हैं, तो वह केवल एक रिकॉर्ड नहीं होता, बल्कि वह सदियों की गुलामी की मानसिकता से मुक्ति और रामराज्य की उस परिकल्पना का उत्सव होता है, जो हिंदुत्व के मूल में है। भाजपा ने यह स्थापित किया है कि देश की प्रगति उसकी सांस्कृतिक जड़ों को कमजोर करके नहीं, बल्कि उन्हें और मजबूत करके ही संभव है।

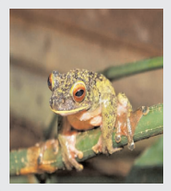
नवंबर 2026 की इस दीपावली पर बने हालिया विवादों को देखें तो दिल्ली-ठउफ में पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध या मुंबई में 'पर्यावरण-अनुकूल' दिवाली के नाम पर हिंदू परंपराओं को निशाना बनाने की कोशिशें इस नई स्क्रिप्ट का हिस्सा हैं। मुंबई में एक सेलिब्रिटी के माध्यम से हिंदुओं को त्योहार मनाने का तरीका सिखाने के प्रयास पर जब भाजपा नेताओं ने आपत्ति जताई, तो इसे विपक्ष द्वारा 'ध्रुवीकरण' का नाम दे दिया गया। लेकिन सवाल यह है कि क्या अपनी आस्था की रक्षा करना और अपनी परंपराओं पर थोपे जा रहे ज्ञान का विरोध करना ध्रुवीकरण है? सुप्रीम कोर्ट द्वारा इस साल 7 और 8 नवंबर को नियमों के साथ 'ग्रीन पटाखे' जलाने की सीमित छूट देना इस बात का प्रमाण है कि पूर्ण प्रतिबंध व्यावहारिक नहीं था और इससे केवल एक समुदाय विशेष की भावनाओं को ठेस पहुंच रही थी। विपक्ष के नेता जब हिंदुत्व को एक आक्रामक या विभाजनकारी विचारधारा के रूप में पेश करने की कोशिश करते हैं, तो वे भूल जाते हैं कि हिंदुत्व की प्रकृति कभी आक्रामक नहीं रही। हिंदुत्व 'वसुधैव कुटुंबकम' और 'सर्वे भवंतु सुखिनः' के दर्शन पर आधारित है। लेकिन इसका मतलब यह कतई नहीं है कि अपनी ही धरती पर सनातनी परंपराओं को दोयम दर्जे का व्यवहार सहना पड़े। जब विपक्ष के वरिष्ठ नेता दीपावली जैसे पवित्र अवसर पर भी हिंदू पहचान और हिंदुत्व को लेकर विवादित बयान देते हैं, तो वे अनजाने में ही सही, उस बहुसंख्यक विरोधी स्क्रिप्ट को आगे बढ़ा रहे होते हैं जिसका उद्देश्य समाज को बांटना है। विपक्ष का आरोप है कि भाजपा त्योहारों का उपयोग राजनीतिक लाभ और वोटों के ध्रुवीकरण के लिए करती है। लेकिन यदि निष्पक्षता से विश्लेषण किया जाए, तो भाजपा ने केवल उस शून्य को भरा है जो कांग्रेस और अन्य क्षेत्रीय दलों ने अपनी तुष्टीकरण की नीतियों के कारण पैदा किया था। विपक्ष के लिए सेकुलरिज्म का मतलब हमेशा से बहुसंख्यक समाज की भावनाओं को दबाकर रखना रहा है ताकि एक निश्चित वोट बैंक सुरक्षित रहे। इसके विपरीत, हिंदुत्व की राजनीति ने बहुसंख्यक समाज को एकजुट किया है और उन्हें यह अहसास कराया है कि उनकी आस्था का भी इस देश में उतना ही अधिकार और सम्मान है जितना किसी और का।

लघुकथा

मेंढको का झुण्ड (हौंसला)
मेंढको का झुण्ड (हौंसला)
मेंढको का झुण्ड (हौंसला)

एक बार मेंढको का झुण्ड जंगल से गुजर रहा था। अचानक दो मेंढक एक गहरे खड्डे में गिर गए। बाकि सदस्यों ने जब खड्डे का मुआइना किया तो देखा की वो तो बहुत गहरा है तो उन सब ने उन दोनों को कहा की अब कोई फायदा नहीं है आप इसमें से बाहर नहीं आ सकते हो बेहतर होगा की यही पर शांत होकर बैठो ० मौत का इंतजार करो। अब कोई भी उम्मीद नहीं की आप बच सको।

मगर उन दोनों मेंढको ने अपने प्रयासो को नहीं छोड़ा वो दोनों उन सबकी बातो को अनदेखा करके बड़ी हिम्मत से छलांग लगाने लगे ताकि वो बाहर आ सके। ऐसा उन्होंने बहुत बार किया मगर सब विफल रहा, उनके साथी मेंढक उनको समझाते रहे की ऐसा तुम नहीं बचोगे, उन दोनों में से एक ने उनकी बातों को दिमाग पे लगा लिया ० हौंसला हार गया, जिसके नतीजे स्वरुप वो मर गया। मगर दूसरे ने साहस न छोड़ा वो लगातार छलांग लगाता रहा ० परिणामस्वरूप उस गड्डे से बाहर आ गया। उसके साथी मेंढको ने कहा की तूने हमारी आवाज नहीं सुनी? तब उसने कहा की मैं तो सुन ही नहीं सकता मुझे लगा की आप सब मेरी हिम्मत बढ़ा रहे हो, बस आपकी इन बातो से ही तो मैं बाहर निकल पाया हूँ।



शिक्षाः लोगों के शब्द दुसरो की जिन्दगी पर गहरा प्रभाव डालते है इसीलिए जब भी आप बोलो पहले सोचो की आप क्या बोलने जा रहे हो क्यूंकि आपके शब्द किसी की जिन्दगी बना भी सकते है ० किसी को मौत भी दे सकते है। इस सबमे बस थोड़ा सा ही अंतर बचता है।

कहानी

लोमड़ी का दुल्हा (भाग-1)

नंदनवन में एक बड़ी चतुर और तेज तर्रार लोमड़ी ने एक जमीनी गुफा मे अपना ठिकाना बना रखा था!

उस गुफा का मुहाना इतना संकरा था कि लोमड़ी से बड़ा कोई प्राणी उसमें प्रवेश ही नहीं कर सकता था!

लोमड़ी बड़ी फुर्तीली और शातिर थी! घात लगाकर छोटे छोटे जीव जन्तुओं का शिकार करने में उसका कोई सानी नहीं था!

ऐसे ही घात लगाकर उसने एक दिन चीकू खरगोश को दबोच लिया! लोमड़ी की पकड़ में चीकू खरगोश रोने लगा और उससे विनती करने लगा -मुझे मत मारो... मुझे मत मारो!



मारना तो पड़ेगा ही! लोमड़ी ने कहा -तू मेरा शिकार है! अगर शिकार को ही छोड़ दूंगी तो मैं भूखी मरूँगी!

नहीं, मैं तुम्हें भूखा नहीं मरने दूंगा! चीकू खरगोश ने कहा - मैं तुम्हें ऐसे बाग में ले जाऊँगा, जहाँ मीठे अंगूरों की बहुत सारी बेलें हैं!

ठीक है, बता किधर चलना है? लोमड़ी ने कहा!

अंगूरों के नाम से ही लोमड़ी के मुंह में पानी आ जाता है यह तो सब लोग जानते ही हैं!

एक पंजे में खरगोश को दबोचे लोमड़ी खरगोश के बताये रास्ते पर चलने लगी! थोड़ी ही देर में खरगोश ने उसे एक बहुत ही खूबसूरत बगीचे मे पहुँचा दिया!

उस बगीचे मे अंगूरों की ढेरों बेलें थीं, जिनमें अंगूरों के बड़े बड़े गुच्छे लटक रहे थे!

अब मुझे छोड़ दो! चीकू खरगोश गिड़गड़ाया!

महाधूर्त लोमड़ी हंसी -पागल हुआ है! अंगूर का बगीचा तो मैंने देख ही लिया! अब तुझे क्यों छोड़ूँ? आज तो मैं तुझसे ही पेट भरूँगी! देखो, यह गलत है! बेइमानी है! चतुर चीकू बोला -फिर भी तुम मुझे खाना चाहती हो तो खा लेना, लेकिन पहले मेरे कुछ सवालों का जवाब दे दो!

पूछ...! लोमड़ी ने कहा!

क्या नंदनवन में तुम्हारा कोई दोस्त है? पक्का दोस्त है?ह्व चीकू ने पूछा!

लोमड़ी ने बहुत सोचा, पर उसे ऐसा कोई भी पशु याद न आया, जिसे वह अपना मित्र कह सकती! निराशा से उसने सिर हिला दिया- नहीं, मेरा कोई दोस्त नहीं है!

तब तो तुम्हारी सारी ज़िन्दगी बेकार है! हर जन्तु का कोई न कोई दोस्त अवश्य होना चाहिये! जरा सोचो, अगर तुम कभी किसी मुसीबत में फंस जाओ तो क्या कोई तुम्हें बचा सकता है? नहीं ना! लेकिन अगर तुम्हारा मेरे जैसा कोई दोस्त हो तो तुम पर कभी कोई मुसीबत आयेगी ही नहीं और आयेगी तो मैं हमेशा तुम्हें बचाऊँगा, यह मेरा पक्का वायदा है!

लोमड़ी सोच में पड़ गयी, तभी चीकू फिर बोला -देखो, मुझे अपने जीवन की कोई परवाह नहीं, लेकिन मेरी पत्नी माँ बनने वाली है! मैं उसके लिये कुछ अमरूद, कुछ अन्य फल लेने के लिये निकला था, तभी तुमने मुझे पकड़ लिया! मुझे छोड़ दोगी तो मैं जीवन भर तुम्हारा एहसान मानूंगा और हमेशा तुम्हारा दोस्त बनकर रहूँगा!

लोमड़ी को चीकू की बात कुछ समझ में आई, लेकिन चीकू की एक पत्नी भी है, जानकर अचम्भा भी हुआ!

तुम्हारी एक पत्नी भी है? लोमड़ी ने आश्चर्य से पूछा!

हाँ, तुम्हारा कोई पति नहीं है? चीकू ने पूछा!

नहीं...! लोमड़ी उदास होकर बोली!

अरे...! चीकू लोमड़ी के पंजे में फड़फड़ाया - तब तो तुम्हें जल्दी से जल्दी अपने लिये एक दुल्हा तलाश कर लेना चाहिये! अभी तो तुम जवान हो! बूढ़ी हो जाओगी, तब तो कोई दुल्हा मिलेगा भी नहीं! चाहो तो मैं दुल्हा ढूँढने में तुम्हारी मदद भी कर सकता हूँ!

बैंगन का भर्ता

(व्यंग्य)

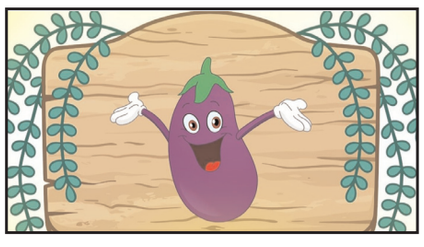
संतोष उत्सुक

पति ने कल्पना की कि पत्नी यह भी कह सकती है कि पता नहीं बैंगन कितने पुराने पौधे में लटके होंगे । उस पौधे को लगाने वाला व्यक्ति कैसा होगा जिसकी वजह से बैंगनों का ऐसा भर्ता बना। लेकिन पत्नी ने ठोक बजाकर कहा, इन बैंगनों का रंग भी कुछ उड़ा उड़ा सा था। कई टेढ़ी मेढ़ी लकीरें भी इन पर थी।

बाजार से गोभी, गाजर और बैंगन आए। उन्हें बिना काटे नहाए फ्रिज में प्रवेश दिया गया ताकि पारिवारिक परम्परा का उचित सम्मान जारी रहे। इस प्रथा के अंतर्गत आधा दर्जन सब्जियां कई दिनों तक अडोस पड़ोस में रह सकती हैं लेकिन समझा नहीं जाता कि आज रात को कौन सी सब्जी खाएं । बनने, खाने और बचने के बाद सब्जी फ्रिज में ठंडी रहती है और चर्चा गर्म कि दोपहर में क्या बनेगा। यह व्यवहारिक समस्या राष्ट्रीय है। लाखों कुक खाना पकाते हुए रीलें पका रहे हैं, अखबार और पत्रिकाएं सिखा रही हैं लेकिन यह मसला फ्रिज का स्थाई वासी है। खैर, बात बैंगन की है जो बाजार से आकर, ठंड में इंतजार कर रहे हैं कि कब उनका भर्ता बनेगा।

बैंगन उदास और उपेक्षित सही लेकिन चर्चा में रहते हैं। थाली के बैंगन हमेशा अपना रुतबा कायम रखते हैं और असामाजिक आलुओं को रिझाते रहते हैं। लीजिए, कई दिन बाद वह शुभ समय आया जब रात के खाने में बैंगन का भर्ता बनना सुनिश्चित हुआ। उस दिन कुछ साधारण खाना बनना था। भर्ता बनने की प्रक्रिया के दौरान जब हवा में भूने गए बैंगनों को आपस में मिलाने लगे तो उनके नाराज हिस्सों ने मिलने जुलने में हिचकिचाहट बरती।

पत्नी ने घोषणा की, आज भर्ता ठीक से नहीं बन रहा है। बैंगन अच्छी तरह से फ्राय नहीं हुए, कहीं कहीं से कच्चे रह गए। मिक्स नहीं हो रहे। जब वह बैंगन के हिस्सों को आपस में मिला रही थी तब उसके चेहरे को भी अच्छा नहीं लग रहा था। सब्जी का रंग गहरा भूरा हो गया था। वह बोली, यह बैंगन तो अच्छे नहीं निकले। आज भर्ता अच्छा नहीं बनने वाला क्यूंकि इनमें बीज भी



बहुत निकले, लगता है यह बैंगन पुराने होंगे।

पति ने कल्पना की कि पत्नी यह भी कह सकती है कि पता नहीं बैंगन कितने पुराने पौधे में लटके होंगे । उस पौधे को लगाने वाला व्यक्ति कैसा होगा जिसकी वजह से बैंगनों का ऐसा भर्ता बना। लेकिन पत्नी ने ठोक बजाकर कहा, इन बैंगनों का रंग भी कुछ उड़ा उड़ा सा था। कई टेढ़ी मेढ़ी लकीरें भी इन पर थी। जब मैनें इन्हें दबाकर देखा ठीक से दब भी नहीं रहे थे। हालांकि इन्हें मैंने अपनी पसंद के चाकू से ही काटा लेकिन अन्दर से इनका टेक्सचर भी कुछ जांच नहीं रहा था। इनके तो बीज भी अजीब से लगे। मैंने आज तक बैंगन में ऐसे बीज नहीं देखे तभी शायद इनका भर्ता ठीक नहीं बना। अगर बैंगन के साथ एक दो पत्ते भी होते तो स्वाद कुछ और ही होता। यदि इनका रंग लाल होता तो भर्ता स्वादिष्ट बनता।

पति ने कहा, आपने पिछली बार ऐसे ही बैंगनों से स्वादिष्ट भर्ता बनाया था। पत्नी बोली, वो बैंगन ऐसे नहीं थे। पहली बार लगा..... क्या ऐसे भी बैंगन होते हैं। ये बैंगन तो बेगुण ही थे। इन बैंगनों में कोई विटामिन भी नहीं होगा। इन बैंगनों की तो शक्ल ही अजीब थी जिससे लगता था कि यह वजन भी नहीं घटा सकते। पाचन सुधार नहीं सकते, दिल की सेहत बना नहीं सकते तभी इनका भर्ता ठीक नहीं बना। इनसे अच्छा भर्ता तो आलुओं का बन जाता।

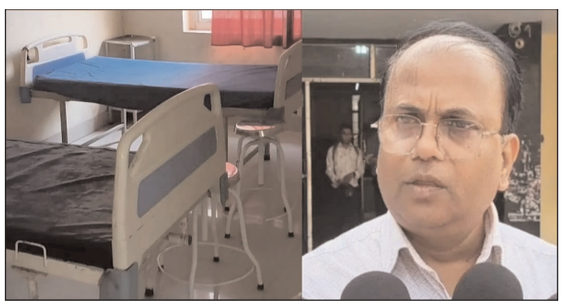
पत्नी द्वारा, कई हजार लाइक्स वाली रील में बताए, सुगम तरीके से पकाए भर्ते की, पति ने परम्परा अनुसार तारीफ की। बैंगन का भेजा फ्राय करने के लिए नए उपकरण का उद्घाटन पत्नी द्वारा किया गया। इस दौरान पति को याद आया कि इन बैंगनों ने नौ दिन पहले फ्रिज में प्रवेश किया था लेकिन उन्हें भर्ता होने का अवसर नहीं मिल रहा था। वे फ्रिज में पसरे हुए परेशान हो चुके थे तभी उनका भर्ता वैसा नहीं बना, जैसा बन सकता था। एक वजह यह भी रही कि पत्नी को बैंगन ज्यादा पसंद नहीं।

- संतोष उत्सुक

दीपावली पर हादसों से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह तैयार

जिला अस्पताल में बना 24 बेड का विशेष बर्न वार्ड

मोर्निंग सिटी संवाददाता



मैनपुरी। दीपावली के पर्व पर आतिशबाजी के दौरान होने वाले हादसों, आग से झुलसने और आँखों में चोट लगने जैसी आकस्मिक घटनाओं से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने अपनी सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। इसी क्रम में जिला अस्पताल के अंतर्गत एक अलग बर्न वार्ड तैयार कराया गया है, जिसमें लगभग 24 बेडों की विशेष व्यवस्था की गई है ताकि पटाखों से घायल होने वाले मरीजों को बिना किसी विलंब के तुरंत भर्ती करके उपचार प्रदान किया जा सके। इसके साथ ही अस्पताल की संपूर्ण इमरजेंसी सेवाओं को भी पूरी तरह से अलर्ट मोड पर रख दिया गया है।

अस्पताल प्रशासन द्वारा किसी भी आपात स्थिति से त्वरित तरीके से निपटने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, जिसमें आग से बचाव व सुरक्षा से जुड़े सभी अग्निशमन उपकरणों को सक्रिय कर दिया गया है।

सीएमएस डॉ. राज सिंह के अनुसार त्योहार के दौरान मरीजों की संख्या में संभावित वृद्धि और किसी भी अप्रिय घटना की आशंका को ध्यान में रखते हुए डॉक्टरों एवं स्वास्थ्य कर्मियों का विशेष ड्यूटी रोस्टर तैयार किया गया है। आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए इमरजेंसी वार्ड में अलग से चिकित्सकों की तैनाती की गई है, जो रात के समय भी अपनी सेवाएं देते रहेंगे। चिकित्सकीय व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखने के लिए ऑन-कॉल रहने वाले सभी चिकित्सकों और कर्मचारियों को भी स्पष्ट और निर्धारित जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, जिससे जरूरत पड़ने पर उन्हें तत्काल अस्पताल बुलाया जा सके। दीपावली पर सरकारी अवकाश होने के बावजूद अस्पताल की जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं किसी भी प्रकार से प्रभावित नहीं होंगी और रोटेशन के आधार पर कर्मचारियों की ड्यूटियां लगाई गई हैं ताकि एक तरफ कुछ कर्मचारियों को बारी-बारी से अवकाश मिल सके और दूसरी तरफ अन्य कर्मचारी अपनी सेवाएं निरंतर देते रहें।

इस सुनियोजित रोटेशन व्यवस्था के फलस्वरूप अस्पताल में चौबीसों घंटे स्वास्थ्य सेवाएं अबाध रूप से उपलब्ध रहेंगी। अस्पताल प्रशासन का यह स्पष्ट कहना है कि त्योहारी सीजन और आतिशबाजी के दौरान यदि कोई भी दुर्घटना घटित होती है, तो मरीजों को बिना किसी व्यवधान के त्वरित एवं उच्चस्तरीय चिकित्सीय उपचार उपलब्ध कराने के लिए सभी जरूरी इंतजाम सुनिश्चित कर लिए गए हैं।

भोगांव तहसील परिसर में अन्नदा रसोई का शुभारंभ

मोर्निंग सिटी संवाददाता



मैनपुरी। जनपद के जरूरतमंदों, श्रमिकों, छात्रों और आम नागरिकों को सम्मानपूर्वक एवं सुलभ दरों पर पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तहसील भोगांव परिसर में जिला प्रशासन की पहल पर 'अन्नदा रसोई' का संचालन शुरू कर दिया गया है।

इस जन-कल्याणकारी योजना के अंतर्गत कोई भी व्यक्ति मात्र 10 रुपये का योगदान देकर भरपेट और गुणवत्तायुक्त भोजन प्राप्त कर सकेगा। रसोई का शुभारंभ करते हुए पूर्व मंत्री व भोगांव विधायक राम नरेश अग्निहोत्री ने कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जनपद में आर्थिक अभाव के कारण कोई भी व्यक्ति भूखा न रहे। इस योजना के तहत अन्नदान की भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देते हुए समाज के सक्षम लोग, व्यापारी, उद्योगपति और संस्थाएं सीधे तौर पर जरूरतमंदों की सहायता कर सकेंगे। जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने बताया कि जो भी नागरिक या संगठन गेहूं, चावल, दाल, आटा, तेल जैसी खाद्यान्न सामग्री या आर्थिक सहयोग देना चाहते हैं, वे न्याय सहायक, जिला पूर्ति अधिकारी या जिला खाद्य विपणन अधिकारी कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं। 'अन्नदा रसोई' के संचालन की पूरी जिम्मेदारी स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को सौंपी गई है, जिससे उन्हें रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे तथा उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। महिला समूह भोजन तैयार करने के दौरान उसकी गुणवत्ता, साफ-सफाई और समयबद्ध व्यवस्था का विशेष ध्यान रखेंगे ताकि जरूरतमंदों को बेहतर और स्वच्छ भोजन मिल सके।

इस महत्वपूर्ण शुभारंभ के अवसर पर जिलाध्यक्ष ममता राजपूत, पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद शाहा, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. आर.सी. गुप्ता, उप जिलाधिकारी पीयूष कुमार जायसवाल और तहसीलदार भोगांव जी. राम सहित कई अन्य अधिकारी व गणमान्य लोग उपस्थित रहे। प्रशासन को पूर्ण विश्वास है कि जन-सहयोग से चलने वाली यह पहल जनपद में कोई भूखा न सोए के संकल्प को साकार करने में मील का पत्थर साबित होगी।

छात्रा से अभद्रता की शिकायत के बाद पिता से मारपीट, तीन युवकों पर धमकी देने का आरोप, प्राथमिक दर्ज

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी । थाना क्षेत्र के ग्राम कैथपुर में छात्रा के साथ अभद्र व्यवहार की शिकायत करने पर उसके पिता के साथ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने थाना पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। प्रार्थना पत्र के मुताबिक, गांव निवासी पीड़ित पिता ने बताया कि उनकी पुत्री स्कूल जाती है। आरोप है कि गांव का शिवांग पुत्र पंकज रास्ते में उनकी पुत्री को देखकर अश्लील इशारे और गंदी गालियां देता था। पुत्री ने घर पहुंचकर इसकी जानकारी पिता को दी। पीड़ित का आरोप है कि उन्होंने शिवांग के पिता पंकज से इसकी शिकायत की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद शाम करीब 8:30 बजे शिवांग, अखिलेश पुत्र विनोद कुमार और पंकज पुत्र दयाल ने एकराय होकर उनके साथ गाली-गलौज और मारपीट की। आरोपियों ने जान से मारने की धमकी देते हुए गांव में नहीं रहने देने की बात भी कही।

तेज रफ्तार चार पहिया वाहन ने बाइक में मारी टक्कर, दो युवक गंभीर घायल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी : थाना क्षेत्र में इटावा रोड पर पेट्रोल पंप फरेंजी के समीप तेज रफ्तार चार पहिया वाहन ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां से हालत गंभीर होने पर उन्हें सैफई रेफर कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम खिदरपुर निवासी विनोद कुमार के पुत्र विवेक दुबे और दीपक दुबे 2 नवंबर 2026 की रात करीब 9 बजे किशनी चौराहे से घरेलू सामान लेकर मोटरसाइकिल से अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान इटावा रोड पर पेट्रोल पंप के पास यूपी-14 डीवी 8628 नंबर की चार पहिया गाड़ी के चालक ने तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी बाइक में टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस और एंबुलेंस की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र किशनी पहुंचाया गया। हालत नाजुक होने पर चिकित्सकों ने दोनों को सैफई मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया, जहां उनका उपचार चल रहा है।पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात कार चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है

मैनपुरी रेलवे स्टेशन पर सनसनीखेज वारदात: प्लेटफार्म दो पर मिला अज्ञात युवक का क्षत-विक्षत शव

मोर्निंग सिटी संवाददाता



मैनपुरी। जिले के अंतर्गत आने वाले रेलवे स्टेशन परिसर में उस समय हड़कंप मच गया, जब शनिवार की सुबह प्लेटफार्म नंबर दो पर लगभग 36 वर्ष के एक अज्ञात युवक का बुरी तरह से क्षत-विक्षत शव बरामद किया गया। प्रारंभिक स्थिति और हालात को देखकर यह आशंका प्रबल हो रही है कि बदमाशों द्वारा युवक की किसी अन्य स्थान पर निर्मम हत्या करने के बाद साक्ष्यों को मिटाने की नीयत से उसके शव को यहाँ लाकर फेंका गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना का खुलासा तब हुआ जब राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के सिपाही रेलवे ट्रैक और प्लेटफार्मों पर अपनी नियमित गश्त की प्रक्रिया पूरी कर रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर अचानक प्लेटफार्म नंबर दो पर पड़े इस संदिग्ध शव पर पड़ी, जिसके बाद सिपाहियों ने बिना किसी देरी के तुरंत इस गंभीर घटना की सूचना अपने उच्च अधिकारियों को पहुंचाई। मामले की जानकारी मिलने के बाद जीआरपी थाना अध्यक्ष जितेंद्र सिंह ने बताया कि शुरूआती जाँच के दौरान यह सामने आया है कि मृतक युवक का गला किसी बेहद धारदार हथियार से रेता गया था। इसके साथ ही, शातिर हत्यारों ने मृतक की पहचान को पूरी तरह छिपाने के उद्देश्य से उसके चेहरे पर ईंट और पत्थरों से ताबड़तोड़ प्रहार कर उसे बुरी तरह कुचल दिया था। इस सनसनीखेज सूचना के मिलते ही जीआरपी और स्थानीय कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुँच गई।

हालात की गंभीरता को भांपते हुए तुरंत फिंगरप्रिंट और फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया, जिन्होंने घटनास्थल से बारीकी से कई महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए हैं। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा मृतक की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं, जबकि हत्यारों का सुराग लगाने के लिए स्टेशन व आसपास के तमाम सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।



मैनपुरी के नगला नाथ में जिला प्रशासन की अनूठी पहल: स्नेह का दीया आपके द्वार अभियान से चमकी जरूरतमंदों की दीवाली

मोर्निंग सिटी संवाददाता



मैनपुरी । दीपावली के पावन पर्व से ठीक पहले मैनपुरी जिला प्रशासन द्वारा समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों के जीवन में खुशियां बिखेरने के लिए एक अत्यंत प्रेरक और ऐतिहासिक पहल की गई है। जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी और पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद शाहा ने ग्राम पंचायत करपिया के मजरा नगला नाथ पहुंचकर ह्लप्रशासन आपके द्वारह्न कार्यक्रम के तहत जन-चौपाल और सघन स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने अपनी सरकारी गाड़ियां छोड़कर कच्चे रास्तों और झोपड़ियों के बीच पहुंचकर ग्रामीणों से आत्मीय संवाद स्थापित किया, जिससे वर्षों से उपेक्षित महसूस कर रहे ग्रामीणों की आंखें खुशी से छलक उठीं।

इस विशेष अभियान के अंतर्गत गांव के लगभग 50 परिवारों को दीया, तेल, गणेश-लक्ष्मी की मूर्ति, खील-बताशे, मिष्ठान के पैकेट और कम्बल वितरित किए गए, जबकि बच्चों को स्कूली बैग, पेंसिल बॉक्स, चॉकलेट, मिठाई एवं फल प्रदान किए गए। जिलाधिकारी ने बताया कि ह्लस्नेह का दीयाह्न अभियान के माध्यम से अब तक जनपद के लगभग 15 हजार जरूरतमंद परिवारों के घरों तक दीये और बाती पहुंचाई जा चुकी हैं, ताकि कोई भी घर दीपोत्सव के दौरान अंधकार में न रहे।

जन-चौपाल में ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। उन्होंने सपेरा जाति के घुमंतू परिवारों के लिए गांव में 3 बीघा भूमि का प्रस्ताव तत्काल तैयार कर शमशान के रूप में आरक्षित करने, संपर्क मार्ग को पक्की सड़क से जुड़वाने, और सभी पात्रों को प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने के आदेश दिए। साथ ही, राशन कार्ड और आयुष्मान भारत गोल्डन कार्ड की समस्याओं का मौके पर ही समाधान करने के निर्देश दिए गए।

प्रशासन ने अनाथ और बेसहारा बच्चों के प्रति गहरी संवेदनशीलता दिखाते हुए गांव के 3 निराश्रित बच्चों–रोहित, मोहित और चांदनी–को ह्लमुख्यमंत्री बाल सेवा योजनाह्न से आच्छादित करने के निर्देश दिए, जिसके तहत उन्हें 18 वर्ष की आयु तक प्रतिमाह आर्थिक सहायता दी जाएगी। इसके अलावा, प्राथमिकता पर उनके आधार कार्ड बनवाकर शिक्षा से जोड़ने के प्रयास शुरू किए गए और शाम तक गांव में 6 सोलर स्ट्रीट लाइटें स्थापित करने के निर्देश दिए गए ताकि पूरी बस्ती दूधिया रोशनी से जगमगा उठे।

पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद शाहा ने शिक्षा को जीवन में बदलाव का सबसे सशक्त माध्यम बताते हुए बच्चों के विद्यालय में प्रवेश और उनके संपूर्ण भरण-पोषण की जिम्मेदारी पर जोर दिया। कार्यक्रम के अंत में स्थानीय लोक संस्कृति एवं पारंपरिक वाद्ययंत्रों की प्रशंसा की गई। इस जन-चौपाल में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. आर. सी. गुप्ता, उप जिलाधिकारी भोगांव पीयूष कुमार जायसवाल सहित जिला प्रशासन के तमाम प्रमुख अधिकारी और स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पंचायत चुनाव 2026: श्री करणपुर की 200 शालाओं ने दीपदान कर दिया शत-प्रतिशत मतदान का अलख जगाने का संदेश

मोर्निंग सिटी संवाददाता





श्री करणपुर। लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व पंचायत चुनाव 2026 के उपलक्ष्य में आमजन को जागरूक करने और शत-प्रतिशत मतदान की अलख जगाने के उद्देश्य से शनिवार को श्री करणपुर विधानसभा क्षेत्र में एक भव्य 'दीपदान कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। दीपावली के पावन अवसर पर आयोजित इस विशेष कार्यक्रम का संचालन जिला निर्वाचन अधिकारी (श्री गंगानगर) द्वारा जारी दिशा-निर्देशों तथा निर्वाचन अधिकारी सुमित्रा बिश्नोई के कुशल मार्गदर्शन में किया गया। व्यवस्थित स्वीप गतिविधियों के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में श्री करणपुर क्षेत्र के लगभग 200 शासकीय एवं निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों ने पूरी निष्ठा और उत्साह के साथ भाग लिया। दीप मालाओं से चमका लोकतंत्र, विद्यार्थियों ने रचा दीपदान कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने रंग-बिरंगे दीयों और दीप मालाओं की सहायता से आकर्षक आकृतियाँ बनाईं और मतदाता जागरूकता से जुड़े प्रेरक संदेश उकेरे। विद्यालयों के प्रांगण दीपों की जगमगाहट से आलोकित हो उठे। दीपदान के माध्यम से छात्रों ने न केवल दीपावली की खुशियाँ बाँटीं, बल्कि समाज को यह संदेश भी दिया कि लोकतंत्र की नींव हर नागरिक की सक्रिय भागीदारी पर ही टिकी है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वीप प्रभारी राज कुमार नागपाल ने विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं उपस्थित प्रबुद्ध नागरिकों को मतदान के महत्व के बारे में विस्तार से समझाया। "जिस प्रकार एक छोटा सा दीपक जला देने से घना अंधकार दूर हो जाता है, ठीक उसी प्रकार आपका एक-एक अनमोल वोट हमारे क्षेत्र के सर्वांगीण विकास में मील का पत्थर साबित होगा। मतदान केवल एक संवैधानिक अधिकार भर नहीं है, बल्कि अपने गाँव, क्षेत्र और देश के प्रति हमारा प्राथमिक एवं नैतिक कर्तव्य भी है। हर नागरिक को निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए।" शिक्षकों, विद्यार्थियों और प्रबुद्ध जनों की अनुकरणीय सहभागिता इस जागरूकता अभियान को जन-आंदोलन का रूप देने में स्थानीय शिक्षण संस्थानों, शिक्षकों और गणमान्य नागरिकों ने बढ़-चढ़कर योगदान दिया। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्र के छात्र-छात्राओं में लोकतंत्र के इस पर्व को लेकर अभूतपूर्व उत्साह देखा गया।

आयोजन को सुचारू एवं सफल बनाने में प्रमुख शिक्षाविदों एवं प्रबुद्ध जनों की सराहनीय भूमिका रही: हरपाल सिंह (प्रधानाचार्य) गुरप्रीत सिंह देवी लाल यादव जितेंद्र कौर गौतम पारीक इन सभी के विशेष व उल्लेखनीय सहयोग से पूरे विधानसभा क्षेत्र में मतदाता जागरूकता का सकारात्मक वातावरण निर्मित हुआ। दीपदान कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों और ग्रामीणों ने आगामी पंचायत चुनावों में स्वयं मतदान करने तथा अपने आस-पास के सभी मतदाताओं को केंद्र तक पहुँचाने का संकल्प लिया। श्री करणपुर में हुआ यह आयोजन क्षेत्र में शत-प्रतिशत मतदान के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक अत्यंत प्रभावी और प्रेरणादायक कदम सिद्ध होगा।

छठ महापर्व पर घाटों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम के निर्देश

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। छठ महापर्व के दृष्टिगत जिलाधिकारी अविनाश कुमार ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के लिए संबंधित अधिकारियों को व्यापक इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने नदियों, तालाबों एवं पूजा स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और संवेदनशील घाटों को चिह्नित कर विशेष सतर्कता बरतने को कहा।जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि खतरनाक एवं गहरे पानी वाले स्थानों पर बैरिकेडिंग कराई जाए। घाटों पर प्रवेश और निकास के अलग-अलग मार्ग बनाए जाएं। भीड़भाड़ वाले स्थलों पर सीसीटीवी, ड्रोन और ध्वनि प्रसारण यंत्रों से निगरानी रखी जाए।?प्रमुख घाटों पर पुलिस बल, प्रशिक्षित गोताखोर, आपदा मित्र, नाव और बचाव उपकरण उपलब्ध रहेंगे। साथ ही प्राथमिक उपचार केंद्र, एंबुलेंस और चिकित्सा दलों की व्यवस्था की जाएगी।अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व प्रमोद कुमार ने बताया कि सभी घाटों का निरीक्षण कर सुरक्षा संबंधी कमियों को दूर कराया जाएगा। जिलाधिकारी ने श्रद्धालुओं से सुरक्षित घाटों पर ही पूजा करने, गहरे पानी में जाने से बचने और बच्चों को जलाशयों के किनारे अकेला न छोड़ने की अपील की।

भाजपा युवा मोर्चा के महानगर उपाध्यक्ष की मां से दिनदहाड़े कुंडल लूटे

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। थाना बन्नादेवी क्षेत्र के मसूदाबाद चौराहे स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा रोड पर दिनदहाड़े लूट की घटना सामने आई है। पति के साथ बाइक से बैंक जा रही बुजुर्ग महिला के कुंडल बाइक सवार बदमाश लूटकर फरार हो गए।पीड़िता भाजपा युवा मोर्चा के महानगर उपाध्यक्ष अमित गोस्वामी की मां हैं। घटना के बाद अमित गोस्वामी ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। भाजपा नेता का आरोप है कि करीब पांच वर्ष पहले भी उनकी मां के साथ लूट की घटना हो चुकी है।?घटना के बाद क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

सफाई कर्मचारियों को एक्सपायरी मिठाई बांटने का आरोप, अर्बन कंपनी के खिलाफ भड़का गुस्सा

मोर्निंग सिटी संवाददाता



अलीगढ़। दीपावली पर सफाई कर्मचारियों को कथित रूप से एक्सपायरी मिठाई बांटने का मामला सामने आने के बाद अर्बन कंपनी के खिलाफ कर्मचारियों में आक्रोश फैल गया। आरोप है कि मिठाई के डिब्बे कूड़ा उठाने वाली गाड़ियों में भरकर लाए गए थे।मामले को लेकर सफाई कर्मचारियों ने पहले हैबिटेट सेंटर और इसके बाद नगर आयुक्त के आवास पर धरना दिया। कर्मचारियों ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए कंपनी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया।

बाइकों की टक्कर में युवक की दर्दनाक मौत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी। थाना क्षेत्र में दो बाइकों की आमने सामने जोरदार टक्कर में युवक की दर्दनाक मौत हो गयी।मृतक के शव का सैफई में पोस्टमार्टम कराया गया है। थाना क्षेत्र के बड़ेपुर निवासी 18 वर्षीय अंशुल यादव पुत्र सुखवीर सिंह अपने बुआ के लड़के विजय के साथ शुक्रवार शाम 6 बजे घर जा रहा था।महोलिया गांव के सामने उसकी सामने से आ रही बाइक में भिड़ंत हो गयी।टक्कर से अंशुल गंभीर रूप से घायल हो गया वहीं दूसरी बाइक पर सवार दो लोग भी घायल हो गए।हालत गंभीर होने पर परिजन उसको इटावा में निजी हॉस्पिटल ले गए जहां हालत में सुधार न होने पर मिनी पीजीआई सैफई ले जाया गया। सैफई में डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया जिससे परिजनों में चीख पुकार मच गई।शनिवार दोपहर में अंशुल के शव का सैफई में पोस्टमार्टम कराया गया।मृतक के पिता की भी दो वर्ष पहले मौत हो चुकी है औ? मृतक अविवाहित था और इंटरमीडिएट का छात्र था।बड़ेपुर ग्राम पंचायत के प्रधान पुनीत यादव भी पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे और परिजनों को सांत्वना दी।

दीपावली के पावन एवं प्रकाशमय पर्व के अवसर पर राधा कृष्ण विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, में दीपावली दीप जलाकर मनाई गई

मोर्निंग सिटी संवाददाता

विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री रामकुमार यादव जी ने समस्त शिक्षकगण एवं कर्मचारियों को उपहार स्वरूप मिठाई भेंट कर दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ एवं मंगलकामनाएँ दीं। प्रधानाचार्य श्री रामकुमार यादव जी ने अपने संदेश में कहा कि दीपावली का पर्व प्रेम, सद्भाव, सेवा, सहयोग तथा सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। उन्होंने सभी के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में समर्पण एवं निष्ठा के साथ कार्य करते रहने का आह्वान किया। इस अवसर पर शिक्षकगण में श्री ओमप्रकाश जी, श्री अपिल जी, श्री कुलदीप जी, श्री अंकुर जी, श्री शरद जी एवं श्री गगन जी उपस्थित रहे। शिक्षिकाओं में श्रीमती अर्चना जी, श्रीमती सुनंदा जी, श्रीमती सुशीला जी, शिल्पी जी, निशा जी, अल्पना जी, वैष्णवी जी, उर्वशी जी, अंजली जी एवं संध्या जी उपस्थित रहीं। वहीं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी वर्ग में लीलावती जी, सीमा जी एवं शकुंतला जी भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम सौहार्द, आत्मीयता एवं पारिवारिक वातावरण में संपन्न हुआ तथा सभी ने एक-दूसरे को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।

पीलीभीत के कस्बा अमरिया में रावण दहन के साथ संपन्न हुआ रामलीला मेला

मोर्निंग सिटी संवाददाता



अमरिया। कस्बे में चल रहे श्रीरामलीला मेले का शुक्रवार को रावण दहन के साथ समापन हो गया। इस दौरान भगवान श्रीराम और रावण के बीच युद्ध का मंचन किया गया। रावण दहन होते ही मेला परिसर जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर रामलीला का आनंद लिया। मंचन में भगवान श्रीराम की भूमिका करन भारद्वाज, लक्ष्मण की विशाल कुमार, माता सीता की भारत कुमार, हनुमान जी की रोहित कुमार और रावण की भूमिका हरी बाबा ने निभाई। कलाकारों के अभिनय और संवादों को दर्शकों ने सराहा। वहीं, कस्बे में हुए तिहरे हत्याकांड के बाद पुलिस प्रशासन सुरक्षा को लेकर सतर्क रहा। मेले के समापन और रावण दहन के दौरान थानाध्यक्ष अमित सिंह पुलिस बल के साथ सुरक्षा व्यवस्था संभालते नजर आए। इस मौके पर अमरिया थाना प्रभारी अमित सिंह कस्बा इंचार्ज राजेश कुमार, मेला इंचार्ज धर्मपाल सिंह, कांस्टेबल,राजू बर्मा, कांस्टेबल अंकुर कुमार एवं अमरिया पुलिस बल एवं मेला कमेटी के संजय गुप्ता, श्याम बिहारी, भूपराम, किशोरी लाल, जानकी प्रसाद, शिव शंकर लाल, विजय गुप्ता और करन सिंह जगदीश शर्मा, नेमचंद सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

श्रीकरणपुर: वार्ड 23 के पार्षद ओम प्रकाश पाहवा ने नगरपालिका अध्यक्ष को सौंपा मांग-पत्र; सड़क, नाली और पार्क के कायाकल्प की उठी पुरजोर मांग

मोर्निंग सिटी संवाददाता



नगरपालिका श्रीकरणपुर के वार्ड संख्या 23 के पार्षद ओम प्रकाश पाहवा ने अपने वार्ड में बुनियादी विकास कार्यों को गति देने के लिए नगरपालिका अध्यक्ष को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा है। पार्षद ने बताया कि लंबे समय से वार्ड के विभिन्न हिस्सों में सड़कों की बदहाली, जल निकासी की समस्या और पार्कों की दुर्दशा के कारण आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने जनहित को सर्वोपरि रखते हुए इन समस्याओं का त्वरित समाधान करने की मांग की है। इन 5 प्रमुख विकास कार्यों को प्राथमिकता से करवाने की मांगः 1. आदर्श कॉलोनी (वेयरहाउस के पीछे) में सीसी रोड व नाली निमार्णः पार्षद ने बताया कि आदर्श कॉलोनी में आवागमन की उचित सुविधा और बारिश के दिनों में जलभराव से निजात पाने के लिए सीसी सड़क और आधुनिक नालियों का निर्माण अत्यंत आवश्यक है। 2. पंचायत समिति से राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मार्ग का चौड़ीकरणः इस व्यस्त मार्ग पर रोजाना विद्यार्थियों और आम नागरिकों का आना-जाना रहता है। आवागमन को पूरी तरह सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए इस मार्ग की चौड़ाई बढ़ाने के साथ ही सीसी सड़क का निर्माण कराने की मांग की गई है। 3. स्वामी विवेकानंद पार्क का नवीनीकरण एवं सौंदर्यीकरणः वार्डवासियों को स्वस्थ और स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्वामी विवेकानंद पार्क की जर्जर स्थिति सुधारने, उसकी आवश्यक मरम्मत, साफ-सफाई और हरियाली विकसित करने का विशेष आग्रह किया गया है। 4. कर्मचारी कॉलोनी में क्षतिग्रस्त नालियों का सुधारः कर्मचारी कॉलोनी में टूटी-फूटी नालियों के कारण गंदे पानी का निकास रुक जाता है, जिससे जलभराव और संक्रामक बीमारियों का खतरा बना रहता है। नालियों की मरम्मत कर उनका उचित लेवल तय करवाने की मांग प्रमुखता से उठाई गई है। विद्यालय के पीछे स्थित कॉलोनी में जल निकासी की गंभीर समस्या को दूर करने के लिए आवश्यक स्थानों पर नई पुलिया का निर्माण और खड़वंजा व सड़क बनवाने की मांग की गई है, ताकि क्षेत्रवासियों को आवागमन में राहत मिल सके। पार्षद ओम प्रकाश पाहवा ने चेतावनी भरे लहीर में कहा है कि यदि इन विकास कार्यों को शीघ्र शुरू नहीं किया गया, तो वार्डवासियों को साथ लेकर आंदोलन करने के लिए विवश होना पड़ेगा। उन्होंने उम्मीद जताई है कि नगरपालिका प्रशासन जनहित को ध्यान में रखते हुए इन सभी प्रस्तावों को तुरंत स्वीकृति प्रदान करेगा।

थाना फरधान पुलिस द्वारा एक नफर अभियुक्त को किया गिरफ्तार

मोर्निंग सिटी संवाददाता



लखीमपुर खीरी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक खीरी, डॉ0 ख्याति गर्ग के निर्देशन में वांछित/वारण्टी व अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक महोदय खीरी के कुशल निर्देशन में, क्षेत्राधिकारी सदर महोदय के निकट पर्यवेक्षण व थानाध्यक्ष फरधान के नेतृत्व में मुखबिर खास की सूचना पर एक नफर अभियुक्त नीरज उर्फ सम्बारी पुत्र विशम्भर निवासी समर्दा बदाल थाना धौरहरा जिला खीरी उम्र 25 वर्ष सम्बन्धित मु0अ0सं0 438/2026 धारा 303(2) / 317 (2) बीएनएस0 में अभियुक्त के कब्जे से बरामद एक अदद मोटर साइकिल स्पलेन्डर प्लस हीरो काले रंग वाहन सं0 वढ31उए7275 के साथ परसेहरा बुजुर्ग रेलवे क्रासिंग से दिनांक 07.11.2026 को समय 01.05 बजे गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तारी/बरामदगी के आधार पर अभियुक्त नीरज उर्फ सम्बारी के विरूद्ध उचित वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

नाम पता गिरफ्तार अभियुक्त

1 नीरज उर्फ सम्बारी पुत्र विशम्भर निवासी समर्दा बदाल थाना धौरहरा जिला खीरी उम्र 25 वर्ष बरामदगी का विवरण

मोटर साइकिल स्पलेन्डर प्लस हीरो काले रंग की है जिस पर वाहन सं0 UP31CE7275

गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम का विवरण

1. थानध्यक्ष विचित्र वीर थाना फरधान जिला खीरी
2.उ0नि0 श्री महेश नारायण तिवारी थाना फरधान जिला खीरी
3. हे0का0 कृष्णानन्द थाना फरधान जिला खीरी
4. का0 महेश कुमार थाना फरधान जिला खीरी
5. का0 शिवप्रताप थाना फरधान जिला खीरी
6. का0 आशीष कुमार थाना फरधान जिला खीरी
7. का0 अभिषेक यादव थाना फरधान जिला खीरी

धनतेरस पर नगर पंचायत ने कर्मचारियों को भेंट किए उपहार और मिठाई

मोर्निंग सिटी संवाददाता

धनतेरस के पर्व पर निघासन नगर पंचायत की ओर से नगर के विकास कार्यों में जुटे कर्मचारियों को उपहार और मिठाई भेंट कर त्योहार की खुशियां साझा की गईं। नगर पंचायत अध्यक्ष बद्री प्रसाद मौर्य और अधिशासी अधिकारी दिनेश शुक्ल ने कर्मचारियों को उपहार व मिठाई देकर सम्मानित किया।इस दौरान नगर अध्यक्ष बद्री प्रसाद मौर्य ने कहा कि नगर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने में कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। त्योहार के अवसर पर उनके परिवारों तक खुशियां पहुंचाना नगर पंचायत की जिम्मेदारी और कर्तव्य है।इसके अलावा चेयरमैन पुत्र विनोद मौर्य उन्होंने कहा कि कर्मचारी पूरे साल मेहनत और लगन से नगर की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने में जुटे रहते हैं। वही नगर में कहीं कार्यों को लेकर विवाद की स्थिति होने पर आपस में कर्मचारी वर्ग ही मामले को निपटाए ताकि नगर वासियों के सामने भविष्य में कोई दिक्कत ना आए।

पीलीभीत की तहसील अमरिया क्षेत्र में राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार ने पंजाबी जंक्शन ढाबे का किया उद्घाटन, गुरुनानक इलेक्ट्रॉनिक्स का भी किया शुभारंभ

मोर्निंग सिटी संवाददाता



पीलीभीत के तहसील अमरिया। क्षेत्र के भैंसहा गांव में शनिवार को पंजाबी जंक्शन ढाबा का राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार ने फीता काटकर उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने ढाबा संचालक प्रेम सिंह को नए प्रतिष्ठान की शुरूआत पर बधाई देते हुए कारोबार की सफलता और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इससे पूर्व राज्यमंत्री ने अमरिया कस्बे के मुख्य बाजार में गुरुनानक इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकान का भी फीता काटकर शुभारंभ किया। दोनों प्रतिष्ठानों के उद्घाटन कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकताओं की मौजूदगी रही। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख श्याम सिंह, अल्पसंख्यक मोर्चा के उपाध्यक्ष सर्वजीत सिंह, सोसायटी चेयरमैन प्रकाश सिंह, पूर्व ब्लॉक प्रमुख ठाकुर सर्वदत्त, ढाबा संचालक प्रेम सिंह, सत्यपाल सिंह, काला सिंह, पलविंदर सिंह उर्फ प्रिंस, अनुसूचित जनजाति मोर्चा के उपाध्यक्ष मान सिंह, अतीक मंसूरी, ग्राम प्रधान हरपाल सिंह, ग्राम प्रधान उडरा गुरनाम सिंह, केवल सिंह और सोनी सिंह सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता एवं क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने दोनों प्रतिष्ठानों के संचालकों को शुभकामनाएं दीं।

थाना हैदराबाद पुलिस ने 19 आरोपियों का सत्यापन किया; अपराध रोकने के लिए चलाया अभियान, हिस्ट्रीशीटर भी शामिल

मोर्निंग सिटी संवाददाता



लखीमपुर खीरी के हैदराबाद थाने की पुलिस ने शुक्रवार को अपराध रोकने के लिए सत्यापन अभियान चलाया। पुलिस ने अलग-अलग मामलों में शामिल 19 आरोपियों को थाने बुलाकर उनका सत्यापन किया।

इनमें हिस्ट्रीशीटर भी शामिल थे। थाना प्रभारी महेश पाठक ने आरोपियों से उनके मौजूदा कामकाज, रहन-सहन और रोजगार के बारे में पूछताछ की। उन्हें अपराध से दूर रहने की हिदायत दी गई। महेश पाठक ने कहा कि आरोपी पुलिस की निगरानी में रहेंगे। भविष्य में किसी के आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने की सूचना मिली तो उसके खिलाफ कानूनी कार्वाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि इलाके में शांति बनाए रखने और अपराध रोकने के लिए ऐसे सत्यापन अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

शहीदों के चित्र पर दीप जलाकर किया नमन, परिजनों संग बांटी दिवाली की खुशियां

मोर्निंग सिटी संवाददाता



उन्नाव। दीपावली के महापर्व के शुभ अवसर पर 'नर सेवा - नारायण सेवा' समिति उन्नाव द्वारा गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी "एक दिया शहीदों के नाम" कार्यक्रम के अंतर्गत संस्था के संस्थापक विमल द्विवेदी अपने पदाधिकारियों के साथ नगर के शहीद शशि कांत तिवारी पत्नी अनीता तिवारी, शहीद कैलाश कुमार पत्नी किरण यादव, शहीद सुशील कुमार गौतम पत्नी सुनीता गौतम, शहीद विजय कुमार पत्नी प्रतिभा गौतम, वह पुलवामा हमले में शहीद हुए शहीद अजीत आजाद पत्नी मीना गौतम सहित शहीदों के परिजनों के घर पहुंचे। वहां उन्होंने शहीदों के चित्र पर दीपक जलाकर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण नमन किया और उनके बलिदान को याद किया।इस दौरान शहीदों के परिजनों व बच्चों को उपहार, मिठाई और दीपावली की शुभकामनाएं देकर उनके साथ दिवाली की खुशियां बांटी गईं। शहीद परिवारों ने समिति के इस कार्य की सराहना करते हुए कहा कि समिति हर वर्ष उन्हें याद करती है, इससे उन्हें गर्व और संबल मिलता है।इस अवसर पर विमल द्विवेदी ने कहा कि शहीदों के बलिदान की बदौलत ही हम सुरक्षित और खुशहाल जीवन जी रहे हैं। उनका सम्मान करना हम सभी का कर्तव्य है।

समिति का उद्देश्य है कि कोई भी शहीद परिवार स्वयं को अकेला न समझे।कार्यक्रम में जिला प्रभारी अजय त्रिवेदी, जिलाध्यक्ष राकेश राजपूत, संरक्षक एके दीक्षित। सहित समिति के कई पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे।

छोटी खबरें

गंग नहर की पटरियों पर बने रिवर फ्रंट, अलीगढ़ रोड से आगरा रोड तक नया बाईपास बनाने की मांग

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। शहर को जाम की समस्या से निजात दिलाने, यातायात व्यवस्था सुगम बनाने और पर्यटन की संभावनाओं को विकसित करने के उद्देश्य से सामाजिक संस्था मानव कल्याण ने गंग नहर की पटरियों को पक्का कर रिवर फ्रंट विकसित करने तथा अलीगढ़ रोड से आगरा रोड तक नया रिंग रोड (बाईपास) बनाने की मांग उठाई है। इस संबंध में संस्था ने जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर योजना पर शीघ्र कार्रवाई की मांग की है।ज्ञापन में कहा गया है कि हाथरस ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व वाला जनपद है। शहरी विस्तार, बढ़ती आबादी और वाहनों के दबाव के कारण शहर में आए दिन जाम की स्थिति बनी रहती है। वहीं, शहर में ऐसा सुव्यवस्थित पारिवारिक पर्यटन स्थल भी नहीं है, जहां लोग परिवार के साथ समय बिता सकें। इन समस्याओं के समाधान के लिए संस्था ने गंग नहर को जनोपयोगी स्वरूप देने का प्रस्ताव रखा है।संस्था ने प्रस्तावित रिंग रोड का मार्ग अलीगढ़ रोड से शुरू कर रूहेरी, किदौली और चिंतापुर होते हुए आगरा रोड तक जोड़ने का सुझाव दिया है। संस्था का कहना है कि नहर और बंबा की पटरियों के किनारे इस बाईपास के निर्माण से भारी वाहनों को शहर के भीतर प्रवेश करने की आवश्यकता कम होगी। इससे जाम और प्रदूषण की समस्या में राहत मिलेगी। साथ ही शहर की प्रमुख सड़कें आपस में जुड़ेंगी और एंबुलेंस तथा फायर ब्रिगेड जैसी आपातकालीन सेवाओं को भी सुगम रास्ता मिल सकेगा।ज्ञापन में नहर की दोनों पटरियों को सीमेंटेड कर घाट, पैदल मार्ग, रंगीन प्रकाश व्यवस्था, बच्चों के लिए खेल क्षेत्र और जलक्रीड़ा सुविधाएं विकसित करने की मांग भी की गई है। संस्था का कहना है कि बुलंदशहर और कासगंज की नहरों की तर्ज पर गंग नहर को विकसित किया जाए तो यह शहर के लिए आकर्षक पर्यटन स्थल बन सकती है। इससे नहर किनारे अतिक्रमण और गंदगी की समस्या पर भी नियंत्रण पाने में मदद मिलेगी। स्थानीय लोगों को सुबह-शाम टहलने और योग करने के लिए बेहतर स्थान उपलब्ध होगा।संस्था के अनुसार रिंग रोड और रिवर फ्रंट दोनों परियोजनाओं के पूरा होने से शहर के सौंदर्यीकरण के साथ छोटे दुकानदारों, होटल व्यवसायियों और परिवहन क्षेत्र को भी बढ़ावा मिलेगा। पर्यटकों की आवाजाही बढ़ने से युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और जिले की अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी।मुख्यमंत्री से मांग करने वालों में संस्था के संस्थापक राजीव वार्ष्णेय, मुख्य संरक्षक एवं वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश बल्लभ वशिष्ठ, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेन्द्र वार्ष्णेय, संरक्षक श्याम सुंदर माहेश्वरी, लीगल एडवाइजर सुनील वर्मा एडवोकेट सहित शहर के अन्य लोग शामिल रहे। संस्था ने सिंचाई विभाग, लोक निर्माण विभाग और जिला प्रशासन से संयुक्त सर्वे कराकर दोनों परियोजनाओं को स्वीकृति देने तथा शीघ्र कार्यवाही शुरू कराने की मांग की है।

अभाविप जिला कार्यालय पर दीपावली के उपलक्ष्य में हवन-पूजन, सुख-समृद्धि की कामना की

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जिला कार्यालय पर दीपावली के पंच दिवसीय पर्व के शुभारंभ के अवसर पर माता लक्ष्मी एवं भगवान गणेश का विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर हवन का आयोजन किया गया। हवन में कार्यकताओं ने आहुतियां देकर सभी के सुख, समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना की।कार्यक्रम में अभाविप जिला प्रमुख डा. मृदुल दीक्षित, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रचारक जितेन्द्र कुमार, जिला संघचालक दुर्गेश वार्ष्णेय, विहिप के प्रांत कार्यकारिणी सदस्य राजेन्द्र नाथ चतुर्वेदी, धर्म जागरण के नगर संयोजक शुभम ऐलानी और कुंवर रत्नेश रत्न उपस्थित रहे। अभाविप जिला संयोजक ने कार्यकताओं एवं ईष्टमित्रों के साथ हवन में आहुतियां दीं।जिला संगठन मंत्री सर्वेश शर्मा ने कार्यकताओं से संवाद करते हुए कहा कि हवन वातावरण की शुद्धि का माध्यम है। इसे जनमानस को भी अपनी परंपरा के अनुरूप करना चाहिए। प्रांत कार्यकारिणी सदस्य आदित्य रावत और जिला विद्यार्थी प्रमुख हर्षित ने कार्यक्रम की सराहना की।कार्यक्रम की व्यवस्थाएं जिला छात्रा प्रमुख चंचल कुशवाहा और नगर सहमंत्री अमन प्रजापति ने संभालीं। इस अवसर पर नगर मंत्री राशि वार्ष्णेय, नगर सहमंत्री विजय कुमार, ज्योति वर्मा, आकाश शर्मा, कृष्णा, नैवेद्य, वाशू वार्ष्णेय, प्रिया और कृष्ण गोपाल सहित अभाविप के अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

धनतेरस पर नगर पंचायत ने कर्मचारियों को भेंट किए उपहार और मिठाई

मोर्निंग सिटी संवाददाता



धनतेरस के पर्व पर निघासन नगर पंचायत की ओर से नगर के विकास कार्यों में जुटे कर्मचारियों को उपहार और मिठाई भेंट कर त्योहार की खुशियां साझा की गई। नगर पंचायत अध्यक्ष बद्री प्रसाद मौर्य और अधिशासी अधिकारी दिनेश शुक्ल ने कर्मचारियों को उपहार व मिठाई देकर सम्मानित किया।इस दौरान नगर अध्यक्ष बद्री प्रसाद मौर्य ने कहा कि नगर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने में कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। त्योहार के अवसर पर उनके परिवारों तक खुशियां पहुंचाना नगर पंचायत की जिम्मेदारी और कर्तव्य है।इसके अलावा चेयरमैन पुत्र विनोद मौर्य उन्होंने कहा कि कर्मचारी पूरे साल मेहनत और लगन से नगर की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने में जुटे रहते हैं। वही नगर में कहीं कार्यों को लेकर विवाद की स्थिति होने पर आपस में कर्मचारी वर्ग ही मामले को निपटाए ताकि नगर वासियों के सामने भविष्य में कोई दिक्कत ना आए।

आतिशबाजी के साथ 15 दिवसीय ऐतिहासिक दशहरा मेले का समापन, समाजसेवी और पत्रकार हुए सम्मानित

मोर्निंग सिटी संवाददाता



लखीमपुर खीरी। जनपद के ऐतिहासिक दशहरा मेले के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का शुक्रवार की रात भव्य आतिशबाजी के साथ समापन हो गया। नगर पालिका परिषद लखीमपुर द्वारा आयोजित इस 15 दिवसीय मेले के समापन अवसर पर उत्कृष्ट योगदान देने वाले पत्रकारों, सामाजिक कार्यकताओं, पुलिस विभाग और नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।मेले के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के सफल संचालन और विशिष्ट सहयोग के लिए जाने-माने समाजसेवी एवं साहित्यकार राम मोहन गुप्त 'अमर' को 'विशिष्ट सम्मान' से नवाजा गया। उन्होंने 15 दिनों तक चले इस आयोजन के उद्घाटन सत्रों सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का कुशलतापूर्वक संचालन किया था।समापन समारोह के दौरान रंगारंग और सुरक्षित आतिशबाजी का प्रदर्शन किया गया, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में नगरवासी उमड़े। इसके बाद नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष डॉ. इरा श्रीवास्तव, अधिशासी अधिकारी संजय कुमार, मेलाध्यक्ष रवींद्र रावत 'डब्बू' और मेलाधिकारी समरा सईद सहित विभिन्न सभासदों ने मंच से सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। नगर पालिका अध्यक्ष और अधिशासी अधिकारी ने मेले को शांतिपूर्ण और भव्य तरीके से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन, पुलिस बल, जागरूक दुकानदारों, मीडिया कर्मियों और सम्मानित नगर वासियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

दीपोत्सव की अलौकिक छटा: 'दुल्हन' सा सजा श्रीकरणपुर बाजार, दूधिया रोशनी में निखरी शहर की फिजा!

मोर्निंग सिटी संवाददाता





श्रीकरणपुर। दीपावली के पावन पर्व के उल्लास और उमंग के बीच श्रीकरणपुर कस्बे का मुख्य बाजार और प्रमुख चौराहे रंग-बिरंगी रोशनी और आकर्षक सजावट से सराबोर हो उठे हैं। शाम ढलते ही जब जगमगाती लाइटों से पूरा बाजार नहा उठता है, तो उसकी छटा देखते ही बनती है। इस मनमोहक और भव्य दृश्य को अपने मोबाइल के कैमरों में कैद करने के लिए बड़ी संख्या में शहरवासी बाजारों का रुख कर रहे हैं।

नगरपालिका प्रशासन द्वारा इस बार की सजावट को पिछले वर्ष की तुलना में और अधिक व्यापक रूप दिया गया है। गौरतलब है कि पिछले वर्ष तत्कालीन ईओ संदीप बिश्नोई की पहल पर इस अनूठी शुरूआत की गई थी, जिसे इस बार नए और आधुनिक आकर्षणों के साथ और आगे बढ़ाया गया है।

"दीपावली खुशियों और रोशनी का पर्व है। बाजार को आकर्षक बनाने के साथ-साथ इसमें स्वच्छता और सुव्यवस्था को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। हमारा प्रयास है कि त्योहार के दौरान शहरवासियों और बाजार आने वाले हर एक व्यक्ति को एक उत्सवी माहौल मिले और शहर की सुंदरता में चार चांद लगें।"

– विनय तनेजा, पालिकाध्यक्ष, श्रीकरणपुर स्वच्छता और बेहतरीन सजावट पर नगरपालिका का अनूठा प्रोत्साहन

बाजारों में साफ-सुथरे माहौल और सुव्यवस्थित कारोबार को बढ़ावा देने के लिए नगरपालिका ने एक बार फिर आकर्षक पुरस्कारों की घोषणा की है। इसके तहत निम्नलिखित श्रेणियां निर्धारित की गई हैं:

सर्वश्रेष्ठ सजावट वाली दुकान: साफ-सुथरी और बेहद आकर्षक ढंग से सजाई गई दुकान को 11,000 का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। सर्वश्रेष्ठ रेहड़ी/ठेला: सुव्यवस्थित तरीके से लगाई गई बेहतर रेहड़ी को 5,100 का नकद पुरस्कार मिलेगा। इन विजेताओं का चयन एक विशेष तीन सदस्यीय कमेटी द्वारा किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक दुकानदार मोबाइल नंबर 77408-68000 पर कॉल या व्हाट्सएप संदेश भेजकर अपनी भागीदारी दर्ज करवा सकते हैं। संदीप बिश्नोई, ईओ नगरपालिका, श्रीकरणपुर

ट्रैफिक व्यवस्था और अतिक्रमण ने बढ़ाई चिंता, फीकी पड़ी कुछ रौनक

एक तरफ जहां रोशनी और सजावट ने शहर का मान बढ़ाया है, वहीं दूसरी तरफ धनतेरस और दीपावली के मौके पर पंचायती राज चुनावों के असर और लचर ट्रैफिक व्यवस्था के कारण बाजारों में कुछ जगहों पर अपेक्षित रौनक कम नजर आई। बर्तन, स्वर्णकार, जनरल स्टोर और इलेक्ट्रिकल्स की दुकानों पर ग्राहकों ने खरीदारी तो की, लेकिन मुख्य मार्गों पर व्यवस्थाएं नाकाफी साबित हुईं।

जाम की समस्या: लोहा बाजार, अनारकली बाजार, नगरपालिका रोड, जैन सभा और मेन रोड सहित प्रमुख बाजारों में दिनभर जाम जैसी स्थिति बनी रही।

सरस्वती विद्या मंदिर में दीपावली पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, राम-केवट संवाद ने मोहा मन

मोर्निंग सिटी संवाददाता



हाथरस। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, लेबर कॉलोनी में दीपावली के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गोपाल कृष्ण समिति के सदस्य एवं नेकी की दुकान के संस्थापक अध्यक्ष दीपक शर्मा की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में राम-केवट संवाद, माता लक्ष्मी से संबंधित कथा और काव्य पाठ के माध्यम से दीपावली के धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व को प्रस्तुत किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य दीपक द्वारा केवट-राम संवाद की भावपूर्ण प्रस्तुति के साथ हुआ। इसके बाद महिमा वार्ष्णेय ने माता लक्ष्मी से संबंधित प्रेरणादायक लघुकथा सुनाई।

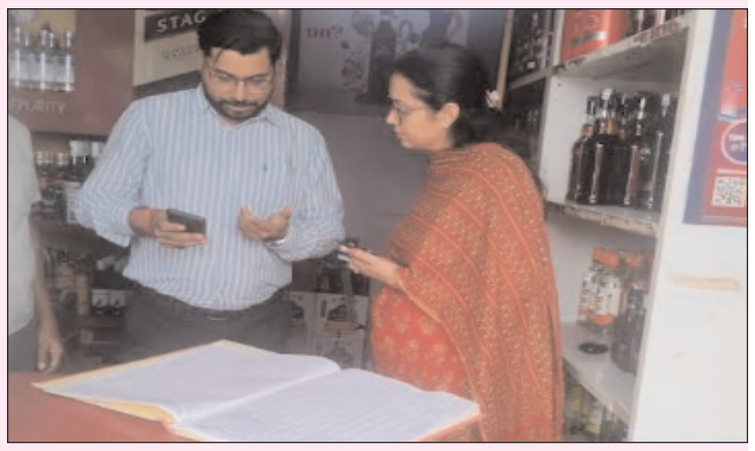
शैक्षिक निदेशक डॉ. अनुपम भारद्वाज ने दीपावली के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विद्यालय में शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच बेहतर सामंजस्य एवं सकारात्मक संबंध होना आवश्यक है।

उन्होंने सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। प्रधानाचार्य लोकेन्द्र नाथ शर्मा ने अपनी काव्य पंक्तियों जलाओ दिए पर रहे ध्यान इतना, अंधेरा धरा पर कहीं रह न जाए के माध्यम से पर्व का संदेश दिया।प्रबंधक मनोज अग्निहोत्री ने भगवान श्रीराम द्वारा अधर्म पर धर्म की विजय के प्रसंग का उल्लेख करते हुए धनतेरस से भैया दूज तक मनाए जाने वाले पर्वों का महत्व समझाया।

उन्होंने माता लक्ष्मी की बड़ी बहन दरिद्रा से जुड़ी पौराणिक मान्यताओं की भी जानकारी दी। विद्यालय अध्यक्ष पुरुषोत्तम दास राठी ने काव्य पंक्तियों के माध्यम से सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के समापन पर अतिथियों, आचार्यों एवं आचायाओं के बीच मिष्ठान वितरण किया गया। इस अवसर पर उपप्रधानाचार्य सतीश कुमार सारस्वत, कोऑर्डिनेटर अल्का शर्मा सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से भारतीय संस्कृति, धार्मिक परंपराओं और दीपावली के आध्यात्मिक संदेश को आत्मसात करने की प्रेरणा दी गई।

त्योहारों के मद्देनजर आबकारी और राजस्व विभाग की संयुक्त छापेमारी, शराब दुकानों का किया औचक निरीक्षण

मोर्निंग सिटी संवाददाता



हाथरस। आगामी त्योहारों के मद्देनजर अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने और शराब की दुकानों पर व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के लिए आबकारी एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने सादाबाद क्षेत्र में औचक निरीक्षण अभियान चलाया। टीम ने सादाबाद-राया बस स्टैंड, जलेसर चौराहा और बढ़ार सहित विभिन्न क्षेत्रों में स्थित देशी शराब एवं कंपोजिट दुकानों का निरीक्षण किया।

यह कार्रवाई आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश के आदेश तथा जिलाधिकारी के पर्यवेक्षण में चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत की गई। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने दुकानों और उनसे जुड़ी कैंटीनों में साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही अनावश्यक भीड़ एकत्रित नहीं होने देने और त्योहारों के दौरान निर्धारित व्यवस्थाओं का पालन सुनिश्चित करने को कहा।संयुक्त कार्रवाई के दौरान उपजिलाधिकारी सादाबाद, आबकारी निरीक्षक सादाबाद तथा राजस्व एवं आबकारी विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे।

त्योहारों पर सुरक्षा को लेकर सड़कों पर उतरे एएसपी, अवैध हूटर लगे वाहनों पर कार्रवाई

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। दीपावली और धनतेरस पर्व के मद्देनजर पुलिस ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सक्रियता बढ़ा दी है। अपर पुलिस अधीक्षक रामानन्द कुशवाहा ने क्षेत्राधिकारी नगर और पर्याप्त पुलिस बल के साथ बीती रात्रि शहर के प्रमुख बाजारों एवं भीड़भाड़ वाले इलाकों में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान चार पहिया वाहनों में अवैध रूप से लगाए गए हूटर निकलवाए गए और वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने की हिदायत दी गई।पैदल गश्त के दौरान एएसपी ने बाजारों और प्रमुख स्थानों पर तैनात पुलिसकर्मियों की ड्यूटी चेक की। उन्होंने पुलिसकर्मियों को पूरी सतर्कता और मुस्तैदी से ड्यूटी करने, संदिग्ध व्यक्तियों एवं गतिविधियों पर नजर रखने तथा बाजारों में यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के निर्देश दिए।इस दौरान अवैध हूटर लगे चार पहिया वाहनों को रोककर हूटर निकलवाए गए। पुलिस अधिकारियों ने वाहन चालकों को नियमों का उल्लंघन नहीं करने की चेतावनी भी दी। एएसपी ने व्यापारियों और आमजन से संवाद कर उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिलाया।पुलिस अधिकारियों के अनुसार त्योहारों के दौरान बाजारों में बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए सुरक्षा और यातायात व्यवस्था पर विशेष निगरानी रखी जा रही है, ताकि दीपावली और धनतेरस का पर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके।

उपजा ने बाल संस्कार केंद्र के बच्चों संग मनाई दीपावली, बांटी मिठाई और त्योहार की सामग्री



मोर्निंग सिटी संवाददाता

\हाथरस। उत्तर प्रदेश जर्नलिस्ट एसोसिएशन (उपजा) द्वारा ह्यएक दीप पत्रकारिता के नाम, एक दीप समाज के नाम अभियान के तहत सेवा भारती द्वारा संचालित महाराणा प्रताप बाल संस्कार केंद्र, नगला सिंघी पर दीपोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान उपजा पदाधिकारियों ने बच्चों को दीपावली की सामग्री, मिठाई और नमकीन वितरित कर उनके साथ त्योहार की खुशियां साझा कीं।कार्यक्रम में उपजा जिलाध्यक्ष आशीष सेंगर ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं। सेवा भारती के बाल संस्कार केंद्रों पर बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कारों का ज्ञान भी दिया जा रहा है। दीपावली केवल दीप जलाने और मिठाइयां बांटने का पर्व नहीं, बल्कि प्रेम, सद्भाव, सेवा और सहयोग के साथ खुशियां बांटने का संदेश भी देती है। बच्चों के साथ पर्व की खुशियां साझा करना और उनके जीवन में शिक्षा एवं संस्कारों का प्रकाश फैलाना ही इस अभियान का उद्देश्य है।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला सेवा प्रमुख योगेश बागड़ी ने कहा कि बाल संस्कार केंद्र समाज में शिक्षा और संस्कारों के प्रसार का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। यहां बच्चों को शिक्षा, नैतिक मूल्यों और भारतीय संस्कृति से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को ऐसे सेवा कार्यों में सहयोग करना चाहिए।इस अवसर पर हमरो ब्रज चैनल के संपादक गौरव भारद्वाज, राजपथ के जिनेन्द्र जैन, पूर्व सभासद नारायन लाल, पूर्व सभासद वीरेन्द्र माहौर, मनोज शर्मा, सेवा भारती के संरक्षक ललित किशोर अग्रवाल, कोषाध्यक्ष भवतेंद्र पाल सिंह और नगर अध्यक्ष अनिल अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पॉक्सो एक्ट में छह साल से फरार 25 हजार का इनामी गिरफ्तार, तीन पुलिस टीमों ने दबोचा

मोर्निंग सिटी संवाददाता



हाथरस। पॉक्सो एक्ट के मुकदमे में वर्ष 2019 से लगातार फरार चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी आरोपी को एसओजी, कोतवाली नगर और हाथरस गेट पुलिस की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही थी। न्यायालय विशेष न्यायाधीश पॉक्सो प्रथम की ओर से भी उसकी गिरफ्तारी के लिए निर्देश दिए जा रहे थे।पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी महिपाल पुत्र सूरजपाल निवासी ग्राम सिरसाबदन, थाना मारहरा, जनपद एटा है। उसके खिलाफ कोतवाली नगर हाथरस में पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज है। मुकदमा दर्ज होने के बाद से ही वह लगातार फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था।पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा के निर्देशन में आरोपी की गिरफ्तारी के लिए एसओजी/सर्विलांस, कोतवाली नगर और हाथरस गेट पुलिस की तीन टीमें गठित की गई थीं। पुलिस टीमों ने आरोपी के संभावित ठिकानों, रिश्तेदारों के यहां लगातार दबिश दी। साथ ही मुखबिर तंत्र और तकनीकी संसाधनों के जरिए उसकी गतिविधियों की जानकारी जुटाई। लगातार प्रयासों और सटीक सूचना के आधार पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में एसओजी/सर्विलांस प्रभारी धीरज गौतम, कोतवाली नगर प्रभारी निरीक्षक सतेन्द्र सिंह राघव और हाथरस गेट प्रभारी निरीक्षक नितिन कसाना अपनी-अपनी पुलिस टीमों के साथ शामिल रहे।

बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के डॉ. आशिक अहिरवार को मिला डेटा एनालाइजिंग डिवाइस का पेटेंट

मोर्निंग सिटी संवाददाता



झाँसी। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के गणित विभाग के सहायक आचार्य डॉ. आशिक अहिरवार ने शोध एवं तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय ने उनके डेटा एनालाइजिंग डिवाइस के डिजाइन को पंजीकृत करते हुए प्रमाणपत्र प्रदान किया है। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मुकेश पाण्डेय ने उन्हें बधाई देते हुए शोध एवं नवाचार के क्षेत्र में निरंतर कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस डिवाइस के डिजाइन में डिस्प्ले, कंट्रोल पैनल और कीपैड को आधुनिक तकनीकी जरूरतों के अनुसार एक साथ जोड़ा गया है। इसकी विशेष बनावट इसे अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से अलग पहचान देती है। भविष्य में इस डिजाइन का उपयोग डेटा विश्लेषण, डिजिटल तकनीक और स्मार्ट इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के विकास में किया जा सकता है।

डॉ. अहिरवार ने गत 9 अक्टूबर को बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में नियमित सहायक आचार्य के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है। विशेष बात यह है कि वे इसी विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र हैं। उन्होंने यहां से गणित विषय में स्नातक एवं परास्नातक की शिक्षा प्राप्त करने के बाद सीएसआईआर-नेट उत्तीर्ण किया तथा प्रो. आर.के. सैनी के निर्देशन में पीएचडी की उपाधि हासिल की।

श्री करणपुर: जिला परिषद जोन नंबर 1 से भाजपा प्रत्याशी शिव भगवान मेघवाल के पक्ष में बढ़ा जनसमर्थन

मोर्निंग सिटी संवाददाता



श्री करणपुर: आगामी जिला परिषद चुनावों को लेकर श्री करणपुर विधानसभा क्षेत्र में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। ज़िला परिषद श्री गंगानगर के जोन नंबर 1 से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शिव भगवान मेघवाल को अपना आधिकारिक प्रत्याशी घोषित किया है। भाजपा प्रत्याशी शिव भगवान मेघवाल को एक योग्य, कर्मठ, शिक्षित और ईमानदार उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतारा गया है। चुनाव प्रचार के दौरान "आओ एक-जुटक होकर करें संपूर्ण ग्राम पंचायतों का विकास" के नारे के साथ मतदाताओं से संपर्क साधा जा रहा है। इस चुनावी अभियान को क्षेत्र के दिग्गज नेताओं का भरपूर समर्थन मिल रहा है। पोस्टर में प्रमुख रूप से पूर्व मंत्री (राजस्थान सरकार) एवं प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेन्द्र पाल सिंह टीटी और भाजपा युवा नेता समनदीप सिंह समेत कई वरिष्ठ नेता नजर आ रहे हैं। इसके अलावा, ग्राम पंचायत 36 एच नग्गी के पूर्व डायरेक्टर समिति भगत योगराज मेघवाल ने भी मतदाताओं से भारी समर्थन की अपील की है। यह जोन कई ग्रामीण क्षेत्रों और ग्राम पंचायतों को कवर करता है, जिनमें प्रमुख रूप से शामिल हैं: 14 एस माझीवाला, 36 एच नग्गी, 6 एफ ए रड़ेवाला, 42 एच, 46 एफ मोड़ा (बड़िंगा) 15 ओ, 2 डब्ल्यू गुरुसर, 25 एच दलपतसिंहपुर, लखियां, 8 वी, 6 वी धनूर, 2 एक्स क्षेत्र के विकास और जनहित कार्यों को गति देने के लिए भाजपा कार्यकताओं और समर्थकों द्वारा लगातार जनसंपर्क किया जा रहा है। पार्टी ने क्षेत्र की जनता से अपील की है कि वे शिव भगवान मेघवाल को अपना बहुमूल्य वोट और समर्थन देकर भारी मतों से विजयी बनाएं।

तथागत ज्ञानस्थली में धूमधाम से मनाया गया दीपावली मेला, बच्चों की रंगोली, कला और नृत्य प्रस्तुतियों ने मोहा मन

मोर्निंग सिटी संवाददाता



बांदा के अतर्रा में तथागत ज्ञानस्थली सीनियर सेकेंडरी स्कूल, में दीपावली के पावन पर्व पर भव्य दीपावली मेले का आयोजन हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ किया गया। मेले में विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा, कलात्मक अभिरुचि और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का अद्भुत संगम देखने को मिला। सुबह से ही बच्चों में मेले को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दिया। कार्यक्रम के अंतर्गत कक्षा 1 से 3 तक के विद्यार्थियों ने प्रत्येक कक्षा के स्तर पर अलग-अलग आर्ट एवं क्राफ्ट की आकर्षक कलाकृतियों का प्रदर्शन किया। वहीं कक्षा 4 से 8 तक के विद्यार्थियों ने हाउसवार आर्ट एवं क्राफ्ट प्रदर्शनी लगाई। कक्षा 9 एवं 11 के विद्यार्थियों ने विभिन्न हाउसों के माध्यम से मनमोहक रंगोली प्रतियोगिता में अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इसके साथ ही शिक्षकों द्वारा विभिन्न आकर्षक स्टॉल लगाए गए। विद्यार्थियों की मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों ने समारोह में चार चाँद लगा दिए और उपस्थित लोगों का मन मोह लिया।

मेले का आकर्षण इतना विशेष रहा कि विद्यालय के पूर्व विद्यार्थी (पास आउट छात्र-छात्राएँ) भी अपने पुराने विद्यालय पहुँचे और अपने साथियों एवं शिक्षकों के साथ मेले का भरपूर आनंद लिया। इससे विद्यालय परिसर में उत्सव के साथ-साथ पुरानी यादों और आत्मीयता का भी सुंदर वातावरण बना रहा। दीपावली के इस विशेष अवसरपर विद्यालय परिवार की ओर से डायरेक्टर महोदया किरण कुशवाहा जी ने सभी शिक्षकों को मिष्ठान एवं उपहार भेंट कर दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। इस आत्मीय पहल से शिक्षकों में विशेष उत्साह और प्रसन्नता देखने को मिली। यह अवसर विद्यालय में पारिवारिक सौहार्द, आपसी सम्मान और सहयोग की भावना का सुंदर उदाहरण बना। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन शिवशरण कुशवाहा, डायरेक्टर किरण कुशवाहा एवं प्रधानाचार्या श्वेता श्रीवास्तव ने सभी स्टॉलों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत रंगोली एवं आर्ट-क्राफ्ट की कलाकृतियों की मुक्तकंठ से सराहना की तथा बच्चों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर राजाबाई जी सहित विद्यालय के समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे। चेयरमैन शिवशरण कुशवाहा ने अपने संदेश में कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि बच्चों की छिपी हुई प्रतिभाओं को पहचानकर उन्हें निखारना भी है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, रचनात्मकता और सामूहिक सहभागिता की भावना विकसित करते हैं। बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए उचित मंच मिलना उनकी सफलता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। डायरेक्टर किरण कुशवाहा ने कहा कि बच्चों की कल्पनाशीलता और उनके हुनर को मंच प्रदान करना ही शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य है। दीपावली जैसे पर्व हमें खुशियाँ बाँटने, सकारात्मकता अपनाने और अपनी प्रतिभा से दूसरों के जीवन में प्रकाश फैलाने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने शिक्षकों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षक विद्यालय परिवार की मजबूत नींव हैं और उनका सम्मान करना हम सभी का दायित्व है।

झाँसी मंडल में रेल परिचालन को मिली नई गति: विभिन्न रेल खंडों में सेक्शनल स्पीड बढ़ाकर 130 किमी/घंटा तक की गई

मोर्निंग सिटी संवाददाता



झांसी उत्तर मध्य रेलवे के झाँसी मंडल द्वारा रेल अवसंरचना को आधुनिक एवं सुदृढ़ बनाने तथा रेल परिचालन को अधिक तेज, सुरक्षित एवं समयबद्ध बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में मंडल के विभिन्न रेल खंडों में ट्रेनों की स्वीकृत सेक्शनल स्पीड में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। इस पहल के अंतर्गत कई महत्वपूर्ण रेल खंडों में ट्रेनों की गति 110 एवं 120 किमी/घंटा से बढ़ाकर 130 किमी/घंटा तक कर दी गई है, जबकि कुछ अन्य खंडों में गति 100 किमी/घंटा से बढ़ाकर 110 किमी/घंटा की गई है। इस क्रम में ललितपुर-मोहासा रेल खंड में अप और डाउन दोनों लाइनों पर कुल 73.62 किलोमीटर खंड में सेक्शनल स्पीड 120 किमी/घंटा से बढ़ाकर 130 किमी/घंटा कर दी गई है। वहीं झाँसी-ग्वालियर रेल खंड में झाँसी एवं दतिया स्टेशनों के मध्य तीसरी लाइन पर कुल 22.513 किमी) पर गति 110 किमी/घंटा से बढ़ाकर 130 किमी/घंटा की गई है। इसके साथ ही आंतरी-संदलपुर रेल खंड में मौजूदा डाउन मेन लाइन के कट-कनेक्शन एवं स्थायी डायवर्जन पर भी गति 110 किमी/घंटा से बढ़ाकर 130 किमी/घंटा कर दी गई है।

वहीं, मुरैना-हेतमपुर रेल खंड के मध्य तीसरी लाइन (किमी 1262.673 से किमी 1278.517 तक, कुल 15.844 किमी) पर सेक्शनल स्पीड 110 किमी/घंटा से बढ़ाकर 130 किमी/घंटा की गई है। इसी कड़ी में खैरार-मानिकपुर (KID-MKP) रेल खंड में बांदा एवं खुरहंड स्टेशनों के मध्य नव-निर्मित डाउन लाइन (किमी 1320.002 बांदा छोर से किमी 1339.180 मानिकपुर छोर, कुल 19.178 किमी) पर भी ट्रेनों की सेक्शनल स्पीड 100 किमी/घंटा से बढ़ाकर 110 किमी/घंटा कर दी गई है। रेल खंडों में सेक्शनल स्पीड बढ़ाए जाने से रेल परिचालन को अनेक स्तरों पर लाभ प्राप्त होते हैं। इससे ट्रेनों की औसत परिचालन गति में सुधार लाने, यात्रा समय को कम करने तथा निर्धारित समय-सारणी के बेहतर अनुपालन में सहायता मिलेगी।

पुलिस अधीक्षक ग्रामीण द्वारा तहसील मऊरानीपुर में आयोजित तहसील दिवस में प्रतिभाग कर जनसमस्याओं की सुनवाई की गई



आज दिनांक 07.11.2026 को पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, झाँसी द्वारा तहसील मऊरानीपुर में आयोजित तहसील दिवस में प्रतिभाग किया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी, उपजिलाधिकारी मऊरानीपुर एवं क्षेत्राधिकारी मऊरानीपुर भी उपस्थित रहे। तहसील दिवस के दौरान अधिकारियों द्वारा आमजन की शिकायतों एवं समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना गया। पुलिस विभाग से संबंधित प्राप्त शिकायतों के त्वरित, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु पुलिस अधीक्षक ग्रामीण द्वारा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही निर्देशित किया गया कि जनसामान्य की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

बुंदेलखंड यूथ फाउंडेशन ने सबके साथ बांटी दीपावली की खुशियां, लगभग 200 जरूरतमंद परिवारों को वितरित की दीवाली किट



मोर्निंग सिटी संवाददाता बांदा

बुंदेलखंड यूथ फाउंडेशन द्वारा प्रवीण सिंह के नेतृत्व में दीपावली के पावन पर्व पर झील का पुरवा में जरूरतमंद परिवारों को दीपावली किट वितरित कर खुशियां बांटी गईं। फाउंडेशन द्वारा 200 जरूरतमंद परिवारों को दीपावली किट का वितरण किया गया। वितरित की गई प्रत्येक किट में दीपक, मोमबत्ती, भगवान गणेश एवं माता लक्ष्मी की मूर्तियां, मिठाई तथा पूजन सामग्री शामिल रही। इस पहल के माध्यम से फाउंडेशन ने जरूरतमंद परिवारों के घरों में भी दीपावली का पर्व हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाने का प्रयास किया। गौरतलब है कि बुंदेलखंड यूथ फाउंडेशन द्वारा इस पुनीत कार्यक्रम की शुरूआत पिछले वर्ष की गई थी। उसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी 200 परिवारों तक दीपावली की खुशियां पहुंचाई गईं। इस अवसर पर प्रवीण सिंह ने कहा कि दीपावली खुशियों, प्रेम और आपसी भाईचारे का त्योहार है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि समाज का हर वर्ग इस पर्व को खुशी और उत्साह के साथ मना सके।

गौशाला में मंत्री जी को नहीं मिला तैयार रजिस्टर, नाराजगी जाहिर करते हुए दिए कड़े निर्देश

मोर्निंग सिटी संवाददाता



दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री, कुलजीत सिंह द्वारा शुक्रवार को राजकीय कृषि बीज भण्डार बडोखर खुर्द में हुन्नर सिंह पुत्र देवीदयाल, राजाबाबू पुत्र भइयालाल एवं वीरसिंह पुत्र देवीदयाल को निःशुल्क बीज मिनीकिट (मसूर) का वितरण किया गया, ग्राम गुरेह में मछली पालन हेतु निर्मित तालाब का निरीक्षण किया गया साथ ही ग्राम जौरही की सहकारी समिति एवं गौशाला का भी निरीक्षण किया गया। गौशाला में रजिस्टर तैयार न होने की स्थिति में रोष प्रकट करते हुये सख्त निर्देश दिये गये। दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री की अध्यक्षता में शुक्रवार को अपरान्ह 12:00 बजे से सर्किट हाउस बाँदा में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया जिसमें उप कृषि निदेशक, जिला कृषि अधिकारी, भूमि संरक्षण अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, जिला सहायक निबन्धक, सहकारी समितियों, जिला दुग्ध विकास अधिकारी, अधिशाषी अभियंता नलकूप, जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी साथ ही रेशम, मत्स्य आदि विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। प्रभारी मंत्री द्वारा अधिकारियों को सम्बोधित करते हुये शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं को किसानों तक पहुँचाने एवं उद्यान विभाग को कोल्ड स्टोरेज में एक नेमप्लेट लगाने जिसमें निर्माण एवं क्षमता का उल्लेख करने हेतु निर्देशित किया गया। उप कृषि निदेशक द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत लगभग 299000 किसानों को 23 किस्तों में कुल धनराशि रू० 1018/ करोड किसानों के बैंक खातों में हस्तान्तरित की गयी एवं 24वीं किस्त में लगभग 214000 किसानों को धनराशि रू० 43/- करोड का भुगतान किया गया है। जिला कृषि अधिकारी द्वारा रबी सीजन में बीज एवं ऊर्वरक की उपलब्धता के बारे में बताया गया कि जनपद में पर्याप्त मात्रा में ऊर्वरक सहकारी समितियों में उपलब्ध है। भूमि संरक्षण अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि खेत तालाब योजनान्तर्गत लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत बुकिंग कराते हुये उत्खनन का कार्य कराया जा रहा है तथा पं०दीनदयाल उपाध्याय किसान समृद्धि योजनान्तर्गत कृषकों के खेतों में भूमि एवं जल संरक्षण का कार्य कराया जा रहा है। अधिशाषी अभियन्ता नलकूप द्वारा अवगत कराया गया कि मध्यम एवं गहरी आकार की बोरिंग लक्ष्य के अनुरूप कर ली गयी हैं। जिला उद्यान अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि किसानों एवं बेरोजगारों के लिये हाईटेक नर्सरी स्थापित करने के लिये प्रस्ताव भेजा गया है। जिला दुग्ध विकास अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि मुख्यमंत्री गौ संवर्धन योजनान्तर्गत कुल लक्ष्य 28 के सापेक्ष 14 किसानों को अनुदानित धनराशि उपलब्ध करायी जा चुकी है। मुख्य पशुचिकित्साधिकारी द्वारा मिनी नंदिनी एवं नंदिनी कृषक समृद्धि योजनान्तर्गत चयनित किसानों की संख्या एवं दिये गये अनुदान के बारे में बताया गया साथ ही मत्य, रेशम, मण्डी एवं पशुपालन आदि विभागों द्वारा किसानों को दिये गये लाभ एवं प्रगति के बारे में अवगत कराया गया। अन्त में मंत्री जी द्वारा मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजनान्तर्गत 05 किसानों को निःशुल्क मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण किया गया एवं मीडिया को सम्बोधित करते हुये सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित किसानों की जानकारी दी गयी एवं समस्त अधिकारियों को पारदर्शी तरीके से योजनाओं का संचालन करते हुये अन्तिम पंक्ति के किसानों तक लाभ पहुँचाने हेतु निर्देशित किया गया।

खादी एवं माटी कला महोत्सव-2026 में उमड़ रही भीड़, दर्शक ले रहे सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भरपूर आनंद

मोर्निंग सिटी संवाददाता



जनपद बांदा में आयोजित खादी एवं माटी कला महोत्सव-2026 में प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग पहुंचकर खादी एवं ग्रामोद्योग तथा माटी कला से जुड़े उत्पादों की खरीदारी कर रहे हैं। इसके साथ ही महोत्सव में आयोजित हो रहे सांस्कृतिक कार्यक्रम भी दर्शकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बने हुए हैं। इसी क्रम में कल जिला पंचायत अध्यक्ष सुनील सिंह पटेल द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उन्होंने महोत्सव में लगाए गए विभिन्न स्टालों का भ्रमण किया तथा खादी एवं माटी कला से निर्मित उत्पादों की खरीदारी भी की। महोत्सव के अंतर्गत आयोजित चित्रकारी प्रतियोगिता में कुमारी प्रतिभा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रत्युष कुमार, अटल आवासीय विद्यालय, अछरौंड ने द्वितीय स्थान तथा छात्र राकेश कुमार प्रजापति, राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय, बबेरू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में पायल खरे के संस्थान ब्लैंक स्लेट द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। कार्यक्रम में गणेश वंदना एवं ह्यकेसरी के लालह्न की प्रस्तुति अविषेक कुमार जी द्वारा दी गई। वहीं डुएट सतरंग की आकर्षक प्रस्तुति कंचन एवं शिवानी द्वारा दी गई। इसके अतिरिक्त छोटे-छोटे बच्चों द्वारा स्केटिंग की शानदार प्रस्तुति ने उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया और खूब तालियां बटोरीं। कार्यक्रम का कुशल एवं प्रभावशाली संचालन दीनदयाल सोनी द्वारा किया गया। चित्रकारी प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में वरिष्ठ कला शिक्षक हनुमान सिंह एवं सौंड चित्राक्षर कलाकार दीनदयाल सोनी शामिल रहे।

महोत्सव में उमड़ रही भीड़ और लोगों का उत्साह इस बात का प्रमाण है कि खादी, ग्रामोद्योग एवं माटी कला के उत्पादों के प्रति आमजन में निरंतर रुचि बढ़ रही है। ऐसे आयोजन स्थानीय कारीगरों, शिल्पकारों एवं उद्यमियों को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ हमारी पारंपरिक कला एवं संस्कृति को भी नई पहचान प्रदान कर रहे हैं।

जनशिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें : आयुक्त

मोर्निंग सिटी संवाददाता



आयुक्त, चित्रकूटधाम मण्डल, बाँदा अजीत कुमार द्वारा तहसील बाँदा सदर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्रतिभाग कर जनसामान्य की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना गया। समाधान दिवस के दौरान प्राप्त शिकायतों में से 25 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कराया गया। आयुक्त ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शेष शिकायतों का भी निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण एवं संतुष्टिपरक निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। शिकायतों का निस्तारण केवल औपचारिकता न हो, बल्कि शिकायतकर्ता को वास्तविक राहत मिलनी चाहिए। किसी भी आवेदन को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए। सम्पूर्ण समाधान दिवस के उपरान्त उपस्थित समस्त विभागीय अधिकारियों को आगामी दीपावली पर्व के दृष्टिगत आवश्यक सेवाओं एवं जनसुविधाओं को निर्बाध रूप से संचालित रखने के निर्देश दिए गए। आयुक्त महोदय ने कहा कि त्योहार के दौरान आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा सभी विभाग अपनी जिम्मेदारियों का तत्परता एवं संवेदनशीलता से निर्वहन करें। पटाखों की दुकानों एवं बाजारों की सुरक्षा के संबंध में निर्देशित किया गया कि पटाखों की बिक्री केवल निर्धारित नियमों एवं वैध लाइसेंस के अनुरूप ही कराई जाए। दुकानों का संचालन आबादी एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों से दूर निर्धारित सुरक्षित स्थलों पर कराया जाए। दुकानों के मध्य पर्याप्त दूरी, अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता तथा अन्य अग्नि सुरक्षा मानकों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। उप जिलाधिकारी, पुलिस एवं अग्निशमन विभाग की संयुक्त टीम द्वारा नियमित निरीक्षण कराया जाए तथा अनियमितता पाए जाने पर नियमानुसार कार्यवाही की जाए। विद्युत सुरक्षा एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति के संबंध में आयुक्त महोदय ने निर्देश दिए कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में निर्धारित रोस्टर के अनुसार विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। किसी भी विद्युत पोल पर तार लटकते हुए अथवा जर्जर अवस्था में न रहें। विशेष रूप से घरों के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन विद्युत लाइनों का नियमानुसार परीक्षण कराते हुए आवश्यकतानुसार उन्हें सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित कराने की कार्यवाही की जाए। नए विद्युत संयोजन के लिए प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध निस्तारण किया जाए तथा कोई भी आवेदन अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए। विद्युत दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए संवेदनशील स्थलों का नियमित निरीक्षण कराया जाए। खाद वितरण व्यवस्था की समीक्षा करते हुए आयुक्त महोदय ने निर्देशित किया कि सहकारी समितियों एवं निजी उर्वरक बिक्री केन्द्रों पर पर्याप्त मात्रा में खाद की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। सभी बिक्री केन्द्रों पर निर्धारित बिक्री दरों की रेट सूची एवं उपलब्ध स्टॉक का विवरण स्पष्ट रूप से प्रदर्शित रहे। खाद का वितरण पूरी पारदर्शिता से किया जाए तथा कालाबाजारी, जमाखोरी, निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली एवं अनिवार्य टैगिंग जैसी अनियमितताओं पर सतत निगरानी रखी जाए। महिलाओं, वृद्धजनों एवं दिव्यांगजनों को खाद वितरण में प्राथमिकता देते हुए उन्हें अनावश्यक प्रतीक्षा न कराई जाए। आयुक्त ने स्वास्थ्य एवं स्वच्छता व्यवस्था के संबंध में निर्देशित किया कि दीपावली पर्व के दौरान सभी स्वास्थ्य केन्द्रों पर चिकित्सकों, आवश्यक दवाओं एवं एम्बुलेंस की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित रखी जाए। डेंगू,

मलेरिया एवं अन्य संक्रामक बीमारियों की रोकथाम के लिए नियमित साफ-सफाई, जलभराव का निस्तारण, फॉगिंग एवं एंटी लार्वा छिड़काव कराया जाए। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाए तथा नगर निकाय एवं पंचायती राज विभाग द्वारा विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाए। जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्रों से संबंधित आवेदनों की समीक्षा करते हुए आयुक्त महोदय ने निर्देशित किया कि सभी संबंधित अधिकारी ऐसे आवेदनों का नियमानुसार तत्काल निस्तारण सुनिश्चित करें।

बेसिक शिक्षा विभाग की जनपद स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन



मोर्निंग सिटी संवाददाता बांदा

शुक्रवार को जनपद बाँदा के डी०ए०वी० इण्टर कॉलेज के क्रीड़ा प्रांगण में बेसिक शिक्षा विभाग की जनपदीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारम्भ मुख्य अतिथि मालती गुप्ता बासू नगर पालिका अध्यक्षा, बाँदा द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा सर्वप्रथम माँ सरस्वती के विग्रह की प्रार्थना एवं दीप प्रज्ज्वलन किया गया। अतिथियों के स्वागत में छोटे-छोटे बच्चों द्वारा सरस्वती वंदना की प्रस्तुति की गयी। बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में विकास खण्ड स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीमों द्वारा प्रतिभाग किया गया। प्रतियोगिता में आज 100 मी० दौड़, खो-खो, कबड्डी, पीटी प्रदर्शन, योगा प्रदर्शन इत्यादि खेलों का आयोजन किया गया। बड़ोखर खुर्द कनवारा कन्या विद्यालय की योगा टीम द्वारा अपनी मनमोहक प्रस्तुती देते हुये उपस्थित समस्त अतिथिगणों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। इसी तरह विकास खण्ड बबेरू की पीटी टीम द्वारा अपने प्रदर्शन से समस्त अतिथियों का मन मोहा। समस्त ब्लॉक व्यायाम शिक्षकों एवं निर्णायकों द्वारा अपनी-अपनी टीमों को विभिन्न प्रतिस्पधाओं में प्रतिभाग कराते हुये प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त छात्र-छात्राओं का चयन किया गया। जनपद स्तरीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि, मालती गुप्ता बासू नगर पालिका अध्यक्षा, मुख्य विकास अधिकारी अजय कुमार पाण्डेय, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारी, जिला व्यायाम शिक्षक, जिला स्काउट मास्टर, समस्त ब्लॉक व्यायाम शिक्षक एवं विकास खण्डों से आये हुये अन्य अतिथिगण भी उपस्थित रहे। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा मालती गुप्ता बासू नगर पालिका अध्यक्षा एवं मुख्य विकास अधिकारी अजय कुमार पाण्डेय का आभार प्रकट करते हुये स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका धन्यवाद ज्ञापित किया।

पोषण योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य सुधार में लापरवाही न बरतें अधिकारी : जिलाधिकारी

मोर्निंग सिटी संवाददाता, बांदा



जिलाधिकारी बाँदा अमित आसेरी की अध्यक्षता में पोषण विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पोषण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की बिंदुवार समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा सभी निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना: योजना के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य एवं अब तक की प्रगति की समीक्षा करते हुए कमजोर प्रदर्शन वाले जसपुरा, तिंदवारी एवं बड़ोखर खुर्द विकासखंडों को विशेष प्रयास कर प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी से समन्वय स्थापित कर पात्र लाभार्थियों के पंजीकरण एवं लक्ष्य में वृद्धि सुनिश्चित करने को कहा। आंगनबाड़ी कार्मिकों की तैनाती: आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं के रिक्त पदों पर तैनाती की प्रक्रिया प्राथमिकता के आधार पर एक सप्ताह के अंदर पूर्ण करने के निर्देश दिए, जिससे आंगनबाड़ी केंद्रों का संचालन सुचारु रूप से हो सके। हॉट कुक्ड मील योजना: नए फीट एवं हॉट कुक्ड मील योजना की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने विशेष रूप से कम उपस्थिति वाले आंगनबाड़ी केंद्रों पर फोकस करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी केंद्रों पर भोजन तैयार करने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित रहें तथा केंद्र पर आने वाले बच्चों को गुणवत्तापूर्ण एवं पौष्टिक भोजन अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जाए। एनआरसी एवं सैम-मैम बच्चों की देखभाल: एनआरसी में बच्चों के प्रवेश की स्थिति की जानकारी लेते हुए जिलाधिकारी ने जनपद में चिन्हित 47 सैम एवं मैम बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन बच्चों के साथ संवेदनशीलता एवं व्यक्तिगत देखभाल के साथ कार्य किया जाए, जिससे उनके स्वास्थ्य में शीघ्र सुधार हो सके। पोषण ट्रैकर की समीक्षा: पोषण ट्रैकर के माध्यम से आधार सत्यापित लाभार्थियों की प्रगति बढ़ाने तथा पात्र लाभार्थियों का शत-प्रतिशत सत्यापन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वृद्धि निगरानी एवं गृह भ्रमण: शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों की वृद्धि निगरानी से संबंधित फीडिंग निर्धारित समय के भीतर पूर्ण करने तथा गृह भ्रमण की फीडिंग एवं अभिलेखों को अद्यतन और शुद्ध रखने के निर्देश दिए। वीएचएसएनडी एवं अपार आईडी: वीएचएसएनडी फीडिंग की प्रगति बढ़ाने के साथ ही अपार आईडी बनाने के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। तीन से छह वर्ष तक के आंगनबाड़ी में पंजीकृत बच्चों की अपार आईडी बनाने के कार्य में विशेष प्रगति सुनिश्चित करने को कहा।

जिलाधिकारी ने टैहरोली किला में गो-आश्रय स्थल का किया औचक निरीक्षण, गोवंश को खिलाए फल

मोर्निंग सिटी संवाददाता



झांसी तहसील टहरौली सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस पर जिलाधिकारी गौरांग राठी ने प्रतिभाग किया और शिकायतों को सुन समय से गुणवत्तापरक निस्तारण करने के निर्देश दिए। तहसील टहरौली में संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी गौरांग राठी ने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस को गंभीरता से लिया जाए, उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में सम्पूर्ण समाधान दिवस एवं आईजीआरएस शामिल है। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही अथवा शिकायतों के निस्तारण में शिथिलता बरतने पर शीर्षतम स्तर पर अधिकारियों की जिम्मेदारी तय होगी। समाधान दिवस के मौके पर उन्होंने जिलाधिकारी ने समस्त अधिकारियों को सुझाव दिया कि सर्वप्रथम आफिस में आकर आईजीआरएस पोर्टल को देखें, निस्तारित शिकायत की प्राप्त आख्या का निरीक्षण करें यदि आख्या गुणवत्ता विहीन है तो स्वयं आख्या प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा शिकायत निस्तारण में मानवीय दृष्टिकोण के आधार पर निस्तारण किया जाना अनिवार्य है। शिकायतकर्ता का शिकायत निस्तारण से संतुष्ट होंना ही शिकायत का उचित निस्तारण माना जाएगा। मौके पर विभागों की आईजीआरएस पोर्टल पर निस्तारित शिकायतों का फीडबैक लिया गया और निस्तारण से संतुष्ट और असंतुष्ट की जानकारी ली। जिलाधिकारी गौरांग राठी ने तहसील टहरौली में सम्पूर्ण समाधान दिवस पर शिकायतें सुनते हुए निर्देश दिए की शिकायतों का निस्तारण सही और समय से किया जाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निजी भूमि, सरकारी भूमि/चकरोड पर अवैध कब्जों मुक्त करना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने समस्त लेखपालों को निर्देश दिए कि गलत ढंग से भूमि पर कब्जा करने वाले अथवा बार-बार पैमाइश की बात पत्थरगड्डी उखाड़कर पुनः कब्जा करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्वाई करना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि भूमि विवाद ना निपटने की स्थिति में धारा 145 पर कार्यवाही करें, उन्होंने धारा 24, पुलिस द्वारा धारा 107/16, सरकारी भूमि पर कब्जा होने पर धारा 151 की कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने भूमि संबंधित शिकायतों के निस्तारण को और प्रभावी ढंग से करने के लिए धारा 447 में भी कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने शिकायतकताओं की सुनते हुए मौके पर शिकायत का निस्तारण किया, उन्होंने काफी समय से लंबित प्रकरण।श्री राजेश कुमार पुत्र दयाराम निवासी पिपरा की भूमि, जो मवई में स्थित है उसे खतौनी में दर्ज किया जाना था।काफी समय से उपक्रम लंबित था।जिलाधिकारी ने तत्काल खतौनी में उक्त प्रकरण को दर्ज कराया और खतौनी शिकायतकर्ता को सुपुर्द की जिस पर शिकायतकर्ता ने अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। सम्पूर्ण समाधान दिवस से पूर्व टहरौली प्रांगण में स्वास्थ्य विभाग,बैंक, आईसीडीएस विभागों द्वारा लगाई गई स्टाल का निरीक्षण किया। मौके पर उपस्थित सीडीपीओ श्रीमती स्नेहा गुप्ता ने स्टॉल की और पोषण तैयार भोजन/ खाद्य पदार्थों की जानकारी दी। सम्पूर्ण समाधान के बाद जिलाधिकारी गौरांग राठी ने टहरौली किला स्थित गोआश्रय स्थल का निरीक्षण किया। मौके पर गोवंश को फल खिलाए। उन्होंने निरीक्षण करते हुए भूसे की उपलब्धता की जानकारी ली। उन्होंने मौके पर विभिन्न रजिस्टर का निरीक्षण किया, इस दौरान उन्होंने आने वाली सर्दी के दृष्टिगत गौवंश को ठंड से बचाए जाने के पर्याप्त संसाधनों की जानकारी ली और व्यवस्था करने के निर्देश दिए। इस मौके पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 शिशिर पुरी, एसडीएम टहरौली आशीष कुमार, एसडीओ फोरेस्ट संतोष कुमार, एमओआईसी डॉ ओ पी राठौर, क्षेत्राधिकारी पुलिस, तहसीलदार सहित समस्त विभागों के जिलास्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

डॉ संगीता राय ने मनाई वीर भूमि महिला एवं बाल कल्याण सेवा समिति के साथ दीपावली पर्व



मोर्निंग सिटी संवाददाता

झांसी दीपावली के पांच दिवसीय पर्व पर वीर भूमि महिला एवं बाल कल्याण सेवा समिति के बच्चों के साथ दीपावली पर्व के पावन अवसर पर डॉ संगीता राय ने बच्चों और शिक्षक- शिक्षिकाओं को मिष्ठान वितरित कर दीपावली की शुभकामनाएं दी ' बच्चों के कला और क्रॉफ्ट के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यो के लिए उन्हें टिफिन बोतल और खाद्य पदार्थ वितरित कर दीपावली पर उपहार समिति की शिक्षिका राधा रायकवार ने अपने जन्मदिन के शुभ अव



जैन धर्म में इसलिए मनाते हैं दीपावली का त्योहार

भारत में हिन्दू, जैन, बौद्ध और सिख धर्म में दीपावली का त्योहार हर्षोल्लास से मनाया जाता है। इस दिन सभी धर्मों के लोग लक्ष्मी की पूजा करते हैं, दीपक जलाते हैं, मिठाइयां बांटते हैं और पटाखे छोड़ते हैं। लेकिन इसके अलावा भी सभी धर्मों में किसी अन्य खास कारण से भी दीपावली का उत्सव मनाया जाता है।

दीपावली के दिन 527 ईसा पूर्व जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर को निर्वाण प्राप्त हुआ था। उस दिन कार्तिक मास की अमावस्या की ही रात थी। इसी दिन भगवान महावीर के प्रमुख गणधर गौतम स्वामी को भी कैवल्य ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। इसीलिए दीप और रोशनी के त्योहार दिवाली को जैन धर्म में भी धूमधाम से मनाया जाता है।

जैन ग्रंथों के मुताबिक महावीर भगवान ने दिवाली वाले दिन मोक्ष जाने से पहले आधी रात को आखिरी बार उपदेश दिया था जिसे 'उत्तराध्ययन सूत्र' के नाम से जाना जाता है। भगवान के मोक्ष में जाने के बाद वहां मौजूद जैन धर्मावलंबियों ने दीपक जलाकर रोशनी की और खुशियां मनाईं।

जैन धर्म के लिए यह त्योहार विशेष रूप से त्याग और तपस्या के त्योहार के तौर पर मनाया जाता है इसलिए इस दिन जैन धर्मावलंबी भगवान महावीर की विशेष पूजा करके उनके त्याग और तपस्या को याद करते हैं। दिवाली यानी वीर निर्वाणोत्सव वाले दिन सभी जैन मंदिरों में विशेष पूजा का आयोजन किया जाता है।





घर परिवार वालों के साथ मनाएं दिवाली

दिवाली का पर्व 8 नवंबर को मनाया जा रहा है। इस दिन एक शुभ मुहूर्त में मात्र 2 काम कर लें। माता लक्ष्मी प्रसन्न होकर धन और खुशियों का वरदान देंगी।

घर की साफ सफाई करें

दिवाली के दिन सुबह जल्दी उठें और दिवाली मानाने के लिए अपने घर को अच्छे से साफ करें, घर की गन्दगी को हटाएं। घर का हर कोना साफ कर दें।

खरीदारी करें

वैसे जो दिवाली की खरीदारी धनतेरस या गुरु पुष्य नक्षत्र में ही कर ली जाती है। फिर भी यदि पूजा, सजावट की सामग्री या अन्य कोई सामग्री बच गई हो तो उसके लिए खरीदारी करना होती हैं।

घर की सजावट करें

साफ-सफाई के बाद घर की सजावट करें। माता लक्ष्मी के पूजा स्थल को सजाएं। हार-फूल आदि से द्वार, चौखट और खिड़की को सजाएं।

रंगोली बनाएं

दिवाली पर द्वार के बाहर अच्छीसी रंगोली या मांडना बनाएं। लक्ष्मी पूजा स्थल पर भी रंगोली या मांडना बनाएं। इसके लिए प्राकृतिक रंगों का उपयोग करें। घर की सभी महत्वपूर्ण जगहों पर रंगोली बनाएं।

दीए लगाएं

शाम को दीए जलाने की तैयारी कर लें और फिर शाम को कितने और कहां दीपक जलाने हैं इसकी जानकारी जुटा लें। बहुत से लोग दिये का और बहुत से लोग मोमबत्ती का उपयोग करते हैं परंतु दिवाली में अगर अपने घर को रोशन करना है तो दिये का इस्तेमाल करना ही सही तरीका है।

मिठाई-पकवान बनाएं

इस दिन, दिन में दिवाली के पकवान और मिठाई बनाई जाती है। नाश्ता करने के बाद यह कार्य करें और शाम को लक्ष्मी भोग की तैयारी करें। पकवान उतने ही बनाएं जितने की जरूरत हो। आजकर बाजार में ही दिवाली के बने बनाए पकवान मिलने लगे हैं।

माता लक्ष्मी की पूजा आरती करें

शाम को नए वस्त्र पहनकर शुभ मुहूर्त में माता लक्ष्मी की पूजा और आरती करें। माता लक्ष्मी को सभी तरह के भोग लगाएं और फिर सभी घर के सदस्य प्रसाद ग्रहण करें। यदि आप पूजा में जितनी देर करेंगे उतना कम लुप्त उठा पाएंगे लोगों से मिलने और पटाखे छोड़ने में, तो बेहतर होगा कि आप शाम को जो सबसे पहला मुहूर्त हो उसी में लक्ष्मीजी की पूजा अच्छे से कर लें।

पटाखे छोड़े

माता लक्ष्मी की पूजा के बाद बाहर सुरक्षित स्थान पर पटाखें चलाएं। पटाखे छोड़ते वक्त मास्क जरूर लगाएं। पटाखों से आंखों को बचाकर रखें और सबसे पहले तो याद रखें कि बच्चे अपने परिवार के बीच ही पटाखे चलाएं। एक बार में एक ही पटाखा जलाएं, नए-नए प्रयोग ना करें और साथ में सुरक्षा हेतु पानी की केन भरकर रखें। जब आप अपने पटाखे चला लें तो जिम्मेदार नागरिक बनिए, सारा कचरा साफ करें। अपने हाथ और पैर अच्छे से धोएं। पटाखों का कचरा जहरीला होता है। इसे ग्लोब्स पहन कर ही उठाएं। पाटाखों के संबंध में सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन का ध्यान रखें।

दीप जलाते समय कौन सा मंत्र बोलना चाहिए?

धनतेरस, नरक चतुर्दशी, दिवाली, गोवर्धन पूजा, भाई दूज और देव दीपावली पर दीये जलाने की परंपरा है। दीपक जलाते समय मंत्र का उच्चारण करने का महत्व है। दीप से दीप नहीं जलाते हैं और जानिए कि दीये जलाने का क्या है समय समय और कौनसी है दिशा।



दीप जलाते समय इस मंत्र को बोलना चाहिए

शुभं करोति कल्याणम् आरोग्यम् धनसंपदा।
शत्रुबुद्धिविनाशाय दीपकाय नमोऽस्तु ते।।
दीपो ज्योति परं ब्रह्म दीपो ज्योतिर्जनार्दनः।
दीपो हरतु मे पापं संध्यादीप नमोऽस्तु ते।।
दीपक से दीपक क्यों नहीं जलाना चाहिए

दीये से दीया जलाना अशुभ माना जाता है। मान्यता के अनुसार ऐसा करने से घर में दरिद्रता आती है।

दीपक के नीचे चावल क्यों रखते हैं

पूजा के स्थान पर रखे जा रहे दीपक को सीधे भूमि पर नहीं रखते हैं। इसके नीचे काले तिल, चावल या उड़द रखें। चावल रखने से माता लक्ष्मी यदि दीपक जलाते समय उसके नीचे चावल रखें तो महालक्ष्मी की कृपा प्राप्त होगी। इसी प्रकार यदि उसके नीचे काले तिल या उड़द रखें तो स्वयं मां, काली, भैरव, शनि, दस दिक्पाल, क्षेत्रपाल हमारी रक्षा करेंगे। इसलिए दीपक के नीचे किसी न किसी अनाज को रखना चाहिए।

दीपक जलाने का सही समय और सही दिशा

दीपक किसी भी दिशा में रखें लेकिन ज्योति उसकी उत्तर या पूर्व दिशा में ही होना चाहिए। इसके अलावा कहते हैं कि पश्चिम दिशा में दीये रखने से धन की हानि होती है। हालांकि दक्षिण में यम और पितरों के निमित्त दीया रखते हैं। दीपक जलाना का सबसे उत्तम समय शाम 5 से 7 बजे के बीच का सही माना जाता है।

दीपावली अथवा दिवाली भारत के प्रमुख त्योहारों में से एक है। त्योहारों का जो वातावरण धनतेरस से प्रारम्भ होता है, वह आज के दिन पूरे चरम पर आता है। दीपावली की रात्रि को घरों तथा दुकानों पर भारी संख्या में दीपक, मोमबतियां और बल्ब जलाए जाते हैं। दीपावली भारत के त्योहारों में अपना विशिष्ट स्थान रखती है। इस दिन लक्ष्मी के पूजन का विशेष विधान है। रात्रि के समय प्रत्येक घर में धनधान्य की अधिष्ठात्री देवी महालक्ष्मीजी, विघ्न-विनाशक गणेश जी और विद्या एवं कला की देवी मातेश्वरी सरस्वती देवी की पूजा-आराधना की जाती है।

एक-दूसरे से मिलें

लक्ष्मी पूजा के बाद पटाखे छोड़े जाते हैं और फिर सभी लोग एक दूसरे से मिलकर दिवाली की बधाई देते हैं और आपस में मिठाइयों का आदान-दान करते हैं। मंदिर या महालक्ष्मी मंदिर में दीए रखने भी जाते हैं।

सोने के पूर्व करें ये कार्य

दीपावली के दिन रात में सोने के पूर्व बच गए पटाखों को सुरक्षित स्थान पर रखें। माता लक्ष्मी के समक्ष एक ऐसा दीपक जलाकर रखें जो रातभर जलता रहे। घर का यदि कचरा हो गया हो तो उसे घर के किसी एक कोने में एकत्रित कर दें। घर के बाहर कचरा नहीं करें।

दीपावली का इतिहास और प्राचीन ग्रंथों में उल्लेख

दीपावली की परंपरा भारतीय संस्कृति में लंबे समय से चली आ रही है। प्राचीन साहित्य, धार्मिक ग्रंथों और ऐतिहासिक रचनाओं में दीपोत्सव तथा दीपमालिका जैसे उत्सवों का उल्लेख मिलता है। पद्म पुराण और स्कन्द पुराण में भी दीपावली से जुड़ी परंपराओं और दीपों के महत्व का वर्णन मिलता है। दीपक भारतीय संस्कृति में ज्ञान, पवित्रता और मंगल का प्रतीक है। दीप प्रज्वलित करते समय मनुष्य अपने जीवन में विवेक और सद्बुद्धि के प्रकाश की कामना करता है। यही कारण है कि पूजा-पाठ, धार्मिक अनुष्ठानों और मांगलिक अवसरों पर दीप जलाने की परंपरा आज भी प्रचलित है। दीपावली का उत्सव भारत के विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग लोक परंपराओं और धार्मिक मान्यताओं के साथ मनाया जाता है। कहीं इसे भगवान श्रीराम की अयोध्या वापसी से जोड़ा जाता है, तो कहीं माता लक्ष्मी की आराधना, व्यापारिक नववर्ष और अन्य स्थानीय धार्मिक परंपराओं को विशेष महत्व दिया जाता है। इन विविधताओं के बावजूद दीपावली का मूल भाव प्रकाश, मंगल और सद्भाव ही है।



अमावस्या के दूसरे दिन मनाया जाएगा गोवर्धन पर्व

दीपावली के पांच दिनी उत्सव में पहले दिन धनतेरस, दूसरे दिन नरक चतुर्दशी जिसे रूप चौदस भी कहते हैं, तीसरे दिन दीपावली, चौथे दिन गोवर्धन पूजा और पांचवें दिन भाईदूज का त्योहार मनाया जाता है। इसे अन्नकूट महोत्सव के नाम से भी जाना जाता है। कार्तिक माह में अमावस्या के दूसरे दिन प्रतिपदा के दिन गोवर्धन पूजा का पर्व रहता है।

गोवर्धन पूजा विधि :

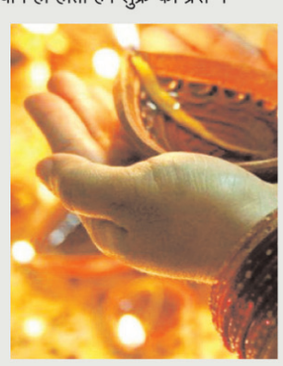
- इस दिन गोवर्धन पर्वत, गाय, बैल, भैंस, भगवान विश्वकर्मा और श्रीकृष्ण की पूजा की जाती है। यह पूजा सुबह और शाम को की जाती है।
- घर के सामने गोबर से गोवर्धन पर्वत की आकृति बनाकर उसे फूलों से सजाया जाता है। गोवर्धन के मध्य में एक मिट्टी के दीपक में दूध, दही, गंगाजल, शहद, बताशे आदि पूजा करते समय डाल दिए जाते हैं और बाद में प्रसाद के रूप में वितरित कर दिए जाते हैं।
- पूजन के दौरान गोवर्धन पर धूप, दीप, नैवेद्य, जल, फल आदि चढ़ाए जाते हैं।
- इसी दिन गाय, बैल, भैंस आदि कृषि कार्य में काम आने वाले पशुओं को सजाकर उनकी पूजा की जाती है। इस मौके पर सभी कारखानों और उद्योगों में मशीनों की पूजा भी होती है।
- पूजा के बाद गोवर्धन के जयकारे के साथ गोवर्धन की 7 परिक्रमाएं लगाते हैं। परिक्रमा के वक्त हाथ में लोटे से जल गिराते हुए और जौ बोते हुए परिक्रमा पूरी की जाती है। इस दिन गोबर से गोवर्धन की आकृति बनाकर उसके समीप विराजमान कृष्ण के सम्मुख गाय तथा ग्वाल-बालों की रोली, चावल, फूल, जल, मौली, दही तथा तेल का दीपक जलाकर पूजा और परिक्रमा की जाती है।
- इसे अन्नकूट महोत्सव इसलिए कहते हैं क्योंकि इस दिन श्रीकृष्णजी को छप्पन भोग लगाए जाते हैं।
- ग्रामीण क्षेत्र में अन्नकूट महोत्सव इसलिए मनाया जाता है, क्योंकि इस दिन नए अनाज की शुरुआत भगवान को भोग लगाकर की जाती है। इस दिन गाय-बैल आदि पशुओं को स्नान कराके धूप-चंदन तथा फूल माला पहनाकर उनका पूजन किया जाता है और गौमाता को मिठाई खिलाकर उसकी आरती उतारते हैं तथा प्रदक्षिणा भी करते हैं।

दीपावली पर क्यों चढ़ाते हैं मां लक्ष्मी को खील-बताशे

मां लक्ष्मी को दीपावली पर खील-बताशे का प्रसाद जरूर चढ़ाया जाता है। दिवाली पर लोग पूजन सामग्री में खील-बताशे जरूर खरीदते हैं। लक्ष्मी पूजा में खील-बताशे अवश्य रखे जाते हैं। क्या आप जानते हैं कि माता लक्ष्मी की पूजा खील बताशों से ही क्यों की जाती है?

क्यों चढ़ाते हैं खील बताशे का प्रसाद

खील यानी धान मूलतः धान (चावल) का ही एक रूप है। खील चावल से बनती है और चावल उत्तर भारत का प्रमुख अन्न भी है। वैसे लक्ष्मी देवी को बेसन के लड्डू और भगवान गणेश को मोदक का प्रसाद भी चढ़ाया जाता है। दीपावली के पहले ही इसकी फसल तैयार होती है, इस कारण लक्ष्मी को फसल के पहले भोग के रूप में खील-बताशे चढ़ाए जाते हैं। खील बताशों का ज्योतिषीय महत्व भी है। दीपावली धन और वैभव की प्राप्ति का त्योहार है और धन-वैभव का दाता शुक्र ग्रह माना गया है। शुक्र ग्रह का प्रमुख धान्य धान ही होता है। शुक्र को प्रसन्न करने के लिए हम लक्ष्मी को खील-बताशे का प्रसाद चढ़ाते हैं। यही कारण है कि दिवाली के दिन खील-बताशे चढ़ाए जाते हैं। श्वेत और मीठी सामग्री दोनों शुक्र की ही कारक हैं अतः इन दोनों को मिलाकर वास्तव में शुक्र ग्रह को ही अनुकूल किया जाता है। मां लक्ष्मी को प्रसन्न कर भी शुक्र को अपने अनुसार किया जा सकता है।





भाई दूज पर किस समय लगाएं भाई को तिलक? शुभ मुहूर्त, पूजन सामग्री और विधि

कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को मनाया जाने वाला भाई दूज (यम द्वितीया, भाऊ बीज या भ्रातृ द्वितीया) केवल एक त्यौहार नहीं, बल्कि भाई-बहन के पवित्र प्रेम, सुरक्षा और समर्पण का प्रतीक है। इस दिन बहनें अपने भाइयों के लंबे व सुखमय जीवन की कामना करती हैं, वहीं भाई अपनी बहनों को उपहार देकर सदैव उनकी रक्षा का संकल्प लेते हैं।

तिथि एवं पूजन का शुभ मुहूर्त

शास्त्रों के अनुसार भाई दूज का पर्व अपराह्न काल (दोपहर के समय) में मनाया जाता है। वर्ष 2026 में दिवाली 08 नवंबर (रविवार) को मनाई जाएगी, जबकि भाई दूज 11 नवंबर (बुधवार) को रहेगी।

कार्तिक शुक्ल द्वितीया तिथि प्रारंभः 10 नवंबर 2026, दोपहर 02:00 बजे से

द्वितीया तिथि समापनः 11 नवंबर 2026, दोपहर 03:53 बजे तक

तिलक व पूजन का सर्वश्रेष्ठ समयः 11 नवंबर 2026, दोपहर 01:10 बजे से दोपहर 03:20 बजे तक

तिथि निर्धारण के शास्त्रीय एवं प्रामाणिक नियम

अपराह्न व्यापिनी तिथिः यदि द्वितीया तिथि दोपहर के समय (दिन के चौथे पहर में) व्याप्त हो, तो उसी दिन यह पर्व मनाया जाता है।

उदयातिथि का विधानः यदि द्वितीया तिथि दोनों दिन अपराह्न काल में पड़े या दोनों ही दिन अपराह्न काल को स्पर्श न करे, तो उदयातिथि के अनुसार अगले दिन भाई दूज मनाना सर्वमान्य है।

अनुष्ठान का समयः तिलक लगाने, यम पूजन करने और भाई को भोजन कराने के सभी कार्य दोपहर के बाद ही संपन्न करने चाहिए।

पावन रीति-रिवाज़ और प्रामाणिक पूजन विधि

पूजा थाल की तैयारीः एक थाली में कुमकुम, सिंदूर, अक्षत (बिना टूटे चावल), चंदन, ताजे फूल, मिठाई, फल और सुपारी सजाकर रखें।

चौक पूरें और भाई को बिठाएं: पूजा स्थान पर चावल के आटे या घोल से सुंदर चौक बनाएं और भाई को उस पर आदरपूर्वक बिठाएं।

तिलक और आरतीः शुभ मुहूर्त में भाई के माथे पर तिलक लगाएं। तत्पश्चात उन्हें फूल, पान, सुपारी, बताशे और काले चने भेंट करके प्रेमपूर्वक उनकी आरती उतारें।

उपहार व भोजनः आरती के बाद भाई अपनी बहन के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लें, अपनी सामर्थ्य अनुसार उपहार भेंट करें और जीवनभर रक्षा का वचन दें। इसके बाद बहन अपने हाथों से भाई को स्वादिष्ठ भोजन कराए।

यमराज और यमुना जी की अमर पौराणिक कथा

भाई दूज का इतिहास सूर्यपुत्र यमराज और उनकी बहन यमुना के निश्चल प्रेम से जुड़ा हुआ है। कथा के अनुसार, यमुना जी अपने भ्राता यमराज को निरंतर अपने घर आने का निमंत्रण देती थीं। कार्तिक शुक्ल द्वितीया के शुभ दिन यमराज अपनी बहन के गृह पहुंचे। यमुना जी ने अत्यंत हर्षित होकर अपने भाई का भव्य स्वागत किया, माथे पर तिलक लगाया और मनपसंद भोजन कराया।

बहन के इस अगाध स्नेह से अभिभूत होकर यमराज ने उनसे वरदान मांगने को कहा। यमुना जी ने वर माँगा— 'हे भ्राता! आप प्रतिवर्ष इस तिथि पर मेरे घर भोजन करने आएं और जो भी बहन इस दिन अपने भाई का तिलक करके उसे भोजन कराएगी, उस भाई को कभी अकाल मृत्यु या यम का भय न सताए।' यमराज ने 'तथास्तु' कहकर इस वरदान को स्वीकार किया। इसी पावन प्रसंग के कारण इसे यम द्वितीया भी कहा जाता है।

मैनपुरी के नगला नाथ में जिला प्रशासन की अनूठी पहल: स्नेह का दीया आपके द्वार अभियान से चमकी जरूरतमंदों की दीवाली

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। दीपावली के पावन पर्व से ठीक पहले मैनपुरी जिला प्रशासन द्वारा समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों के जीवन में खुशियां बिखेरने के लिए एक अत्यंत प्रेरक और ऐतिहासिक पहल की गई है। जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी और पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद शाहा ने ग्राम पंचायत करपिया के मजरा नगला नाथ पहुंचकर प्रशासन आपके द्वार कार्यक्रम के तहत जन-चौपाल और सघन स्थलीय निरीक्षण किया।

इस दौरान अधिकारियों ने अपनी सरकारी गाड़ियां छोड़कर कच्चे रास्तों और झोपड़ियों के बीच पहुंचकर ग्रामीणों से आत्मीय संवाद स्थापित किया, जिससे वर्षों से उपेक्षित महसूस कर रहे ग्रामीणों की आंखें खुशी से छलक उठीं। इस विशेष अभियान के अंतर्गत गांव के लगभग 50 परिवारों को दीया, तेल, गणेश-लक्ष्मी की मूर्ति, खील-बताशे, मिष्ठान के पैकेट और कम्बल वितरित किए गए, जबकि बच्चों को स्कूली बैग, पेंसिल बॉक्स, चॉकलेट, मिठाई एवं फल प्रदान किए गए। जिलाधिकारी ने बताया कि स्नेह का दीया अभियान के माध्यम से अब तक जनपद के लगभग 15 हजार जरूरतमंद परिवारों के घरों तक दीये और बाती पहुंचाई जा चुकी हैं, ताकि कोई भी घर दीपोत्सव के दौरान अंधकार में न रहे।



जन-चौपाल में ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। उन्होंने सपेरा जाति के घुमंतू परिवारों के लिए गांव में 3 बीघा भूमि का प्रस्ताव तत्काल तैयार कर शमशान के रूप में आरक्षित करने, संपर्क मार्ग को पक्की सड़क से जुड़वाने, और सभी पात्रों को प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने के आदेश दिए। साथ ही, राशन कार्ड और आयुष्मान भारत गोल्डन कार्ड की समस्याओं का मौके पर ही समाधान करने के निर्देश दिए गए। प्रशासन ने अनाथ और बेसहारा बच्चों के प्रति गहरी संवेदनशीलता दिखाते हुए गांव के 3 निराश्रित बच्चों—रोहित, मोहित और चांदनी—को मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना से आच्छादित करने के निर्देश दिए, जिसके तहत उन्हें 18 वर्ष की आयु तक प्रतिमाह आर्थिक सहायता दी जाएगी।

इसके अलावा, प्राथमिकता पर उनके आधार कार्ड बनवाकर शिक्षा से जोड़ने के प्रयास शुरू किए गए और शाम तक गांव में 6 सोलर स्ट्रीट लाइटें स्थापित करने के निर्देश दिए गए ताकि पूरी बस्ती दूधिया रोशनी से जगमगा उठे। पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद शाहा ने शिक्षा को जीवन में बदलाव का सबसे सशक्त माध्यम बताते हुए बच्चों के विद्यालय में प्रवेश और उनके संपूर्ण भरण-पोषण की जिम्मेदारी पर जोर दिया। कार्यक्रम के अंत में स्थानीय लोक संस्कृति एवं पारंपरिक वाद्ययंत्रों की प्रशंसा की गई। इस जन-चौपाल में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. आर. सी. गुप्ता, उप जिलाधिकारी भोगांव पीयूष कुमार जायसवाल सहित जिला प्रशासन के तमाम प्रमुख अधिकारी और स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

त्योहारों पर बाजारों में बढ़ेगी पुलिस की मुस्तैदी, बैरियर लगाकर होगी सघन चेकिंग

आगरा। दीपावली और धनतेरस समेत आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने के लिए आगरा पुलिस पूरी तरह अलर्ट नजर आ रही है। बाजारों में बढ़ती भीड़, यातायात के दबाव और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने शुक्रवार को सड़कों पर उतरकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार ने एमजी रोड पर अधिकारियों के साथ पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था परखी और व्यापारियों व आम नागरिकों से संवाद कर उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिलाया। पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार ने पुलिस उपायुक्त नगर, प्रभारी पुलिस उपायुक्त पश्चिमी और सहायक पुलिस आयुक्त हरीपर्वत के साथ थाना हरीपर्वत क्षेत्र के एमजी रोड पर पैदल गश्त की। इस दौरान प्रमुख बाजारों, चौराहों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर यातायात व्यवस्था, वाहनों के आवागमन, पार्किंग और पुलिस सुरक्षा का निरीक्षण किया गया। सराफा कारोबारियों और स्थानीय व्यापारियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं भी जानी गईं।

पुलिस कमिश्नर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि त्योहारों के दौरान सराफा बाजारों और संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त सतर्कता बरती जाए। नियमित पुलिस गश्त के साथ बैरियर लगाकर सघन चेकिंग की जाए। यूपी-112 के पीआरवी वाहनों की तैनाती ऐसे स्थानों पर की जाए, जहां उनकी मौजूदगी आमजन को स्पष्ट दिखाई दे। बाजारों में यातायात सुचारु रखने और पार्किंग व्यवस्था दुरुस्त रखने पर भी जोर दिया गया। वहीं अपर पुलिस आयुक्त सचिन्द्र पटेल ने अपर पुलिस उपायुक्त नगर/अपराध के साथ थाना हरीपर्वत क्षेत्र के प्रमुख मार्गों और बाजारों में पैदल गश्त की।

नगर पंचायत के 83 कर्मचारियों को चेयरमैन प्रतिनिधि व ईओ ने बांटी मिठाई, दी दीपावली की शुभकामनाएं



मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी। दीपावली के अवसर पर नगर पंचायत किशनी के चेयरमैन प्रतिनिधि डैनी यादव एवं अधिशासी अधिकारी संजय कुमार राव ने नगर पंचायत में कार्यरत 83 कर्मचारियों को मिठाई वितरित कर दीपावली की शुभकामनाएं दीं। इनमें गौशाला सहित नगर पंचायत के विभिन्न कार्यों में तैनात कर्मचारी शामिल रहे।

इस मौके पर अधिशासी अधिकारी संजय कुमार राव ने कर्मचारियों से कहा कि दीपावली खुशियों और उल्लास का पर्व है। सभी लोग सुरक्षित तरीके से त्योहार मनाएं और अपने बच्चों को पटाखे चलाते समय विशेष सावधानी बरतने की सलाह दें। उन्होंने कहा कि पटाखों से कई बार गंभीर दुर्घटनाएं हो जाती हैं, इसलिए कम से कम पटाखों का प्रयोग करें, जिससे सर्दी के मौसम में बढ़ने वाले प्रदूषण को भी कम किया जा सके।

उन्होंने कहा कि सर्दियों में वायु प्रदूषण के कारण बच्चों और बुजुर्गों को सांस संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में पर्यावरण की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी को जिम्मेदारी के साथ त्योहार मनाना चाहिए।

इस अवसर पर नगर पंचायत के सभासद मुकेश प्रताप सिंह,रामौतार यादव, लिपिक दिनेश कुमार, सविता, अनीश बाथम सहित नगर पंचायत के अन्य कर्मचारी एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

यातायात माह में आगरा पुलिस का बड़ा अभियान, 3055 वाहनों के चालान



आगरा। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और आमजन को सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक करने के लिए आगरा पुलिस ने यातायात माह नवंबर-2026 के तहत अभियान तेज कर दिया है। शनिवार को शहर के विभिन्न स्कूल-कॉलेजों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। वहीं प्रमुख मार्गों पर वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया गया। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ प्रभावी चेकिंग अभियान चलाते हुए 3055 वाहनों के चालान किए गए।

पुलिस आयुक्त दीपक कुमार और अपर पुलिस आयुक्त सचिन्द्र पटेल के निर्देशन में चल रहे इस अभियान के तहत यातायात पुलिस द्वारा जागरूकता के साथ-साथ नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई भी की जा रही है। यातायात माह का शुभारंभ दो नवंबर को पुलिस आयुक्त दीपक कुमार ने पुलिस लाइंस स्थित यातायात पुलिस क्लब से किया था। पुलिस उपायुक्त यातायात ज्ञानेन्द्र नाथ प्रसाद के मार्गदर्शन में यातायात पुलिस ने नागरिकों को सुरक्षित और सुगम यातायात उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए। स्कूल-कॉलेजों में विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के नियमों की जानकारी दी गई। वाहन चालकों को हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, निर्धारित गति में वाहन चलाने और यातायात संकेतों का पालन करने के प्रति जागरूक किया गया।

सांसद ने वाहन चालकों को बांटे मुफ्त हेलमेट- यातायात जागरूकता अभियान के तहत खेरिया मोड़ तिराहा स्थित तिरंगा चौक पर निःशुल्क हेलमेट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि सांसद राजकुमार चाहर और पुलिस उपायुक्त यातायात ज्ञानेन्द्र नाथ प्रसाद ने दोपहिया वाहन चालकों को निःशुल्क हेलमेट वितरित किए। अधिकारियों ने लोगों को समझाया कि हेलमेट केवल चालान से बचने का साधन नहीं, बल्कि दुर्घटना के समय जीवन बचाने वाला सुरक्षा कवच है। आगरा पुलिस यातायात माह के दौरान दोहरी रणनीति पर काम कर रही है। एक ओर लोगों को नियमों के प्रति जागरूक किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों के खिलाफ चेकिंग और चालान की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का उद्देश्य केवल चालान करना नहीं, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाकर नागरिकों का जीवन सुरक्षित करना है। आगरा पुलिस का संदेश है—सुगम एवं सुरक्षित यातायात से जीवन रक्षा तक।



स्वामी- सुशील कुमार सिंह, मुद्रक, प्रकाशक एवं प्रधान संपादक- सुशील कुमार सिंह (मोबाइल न. 8077588101), एन 30, ऑफसेट रघुनाथपुर सेक्टर 22 नोएडा, गौतमबुद्धनगर, उत्तर प्रदेश से छपवाकर हाउस नं. 52 ग्रीनवुड-2 सेक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित। (RNI No. UPHIN/2015/60949) (समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र गौतमबुद्धनगर होगा) प्रकाशिक सामग्री या विज्ञापन में संपादक / प्रकाशक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। इससे संबंधित किसी भी प्रकार की कार्यवाही या पूछताछ प्रकाशन तिथि से तीन माह के अंदर की सकती है। ई-मेल-noida.morningcity@gmail.com।